www.cgfrontline.com

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

■ वर्ष: 01 ■ अंक: 80 ■ जशपुर, 14 नवंबर 2026 (शनिवार) ■ पृष्ठ: 08 ■ मूल्य: 01 रूपये

आज चुनाव हुए तो इनोवा में सिमट जाएगी भाजपा - भूपेश

❒ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक बार फिर भाजपा और निर्वाचन आयोग को घेरते हुए नागरिय निकाय चुनाव की मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में करीब 25 हजार नए वोटरों के नाम सूची में नहीं जुड़ पाए हैं। इनमें अकेले भिलाई के करीब 5 हजार वोटर शामिल हैं।उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के छत्तीसगढ़ दौरे पर भी सवाल उठाए। बघेल ने कहा कि बिहार चुनाव में हार के बाद वे छत्तीसगढ़ आ रहे हैं, जबकि 15 नवंबर को छठ पूजा है। आज चुनाव हो जाएं तो भाजपा एक इनोवा में सिमट जाएगी।



धान खरीदी पर उठाए सवाल

धान खरीदी को लेकर उन्होंने सरकार से पूछा कि जब खरीदी के लिए केवल 42 कार्यदिवस बचे हैं तो सभी किसानों का धान कैसे खरीदा जाएगा? इसके अलावा उन्होंने पटवारियों की हड़ताल और जनगणना-2027 में जातिगत गणना को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए।बघेल ने कहा कि 15 जनवरी तक के ऑनलाइन टोकन जारी हो चुके हैं। अब आगे ऑफलाइन टोकन दिए जाएंगे। सरकार के पास धान खरीदी के लिए केवल 42 कार्यदिवस हैं। ऐसे में किसानों का पूरा धान कैसे खरीदा जाएगा?

जेन-जी के वोट से डर रही भाजपा

बघेल ने कहा कि 23 अक्टूबर को मतदाता सूची प्रकाशित की गई थी। इसमें कई मतदाताओं के नाम इधर से उधर कर दिए गए। कांग्रेस ने इस गड़बड़ी को लेकर आपत्ति दर्ज कराई, जिसके बाद निगम ने सुधार के लिए समय बढ़ाया।उन्होंने बताया कि नए मतदाताओं के नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भरने की अंतिम तारीख 11 नवंबर थी, लेकिन बड़ी संख्या में नए वोटरों के नाम सूची में नहीं जुड़ पाए। भिलाई में करीब 5 हजार और पूरे प्रदेश में लगभग 25 हजार नए मतदाता इससे प्रभावित हुए हैं। भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी जेन-जी के वोट से डर रही है।

बिहार हारे, अब छत्तीसगढ़ आ रहे नितिन नवीन

बघेल ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के छत्तीसगढ़ दौरे पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि 15 नवंबर को छठ पूजा है, लेकिन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिहार नहीं जा रहे हैं। बिहार चुनाव में हार के बाद वे सीधे छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। बघेल ने भाजपा की राजनीतिक स्थिति पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि आज चुनाव हो जाएं तो भाजपा एक इनोवा में सिमट जाएगी। निर्वाचन आयोग पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार रहेंगे तो भाजपा 90 में 91 सीटें जीत जाएगी।

42 दिन में कैसे खरीदेंगे पूरा धान?

धान खरीदी को लेकर बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि किसान 21 क्विंटल धान बेचे या नहीं बेचे, उसे आदान राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की राजीव गांधी किसान न्याय योजना में भी किसानों को आदान सहायता दी जाती थी।बघेल ने कहा कि सरकार के पास धान खरीदी के लिए केवल 42 कार्यदिवस हैं। यदि इस अवधि में किसान अपना धान नहीं बेच पाए तो सरकार क्या व्यवस्था करेगी?

पटवारियों की हड़ताल और जातिगत गणना पर सवाल

पटवारियों की हड़ताल को लेकर बघेल ने कहा कि किसानों के नाम में सुधार और राजस्व से जुड़े कई काम पोर्टल पर पटवारियों के जरिए होने हैं। जब पटवारी हड़ताल पर हैं तो किसानों के रिकॉर्ड में सुधार कौन करेगा? सरकार को इसका जवाब देना चाहिए। जनगणना-2027 को लेकर बघेल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जातिगत जनगणना को लेकर जो बातें कह रहे हैं, उनका उल्लेख राजपत्र में नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि जनगणना में ओबीसी वर्ग की गणना को लेकर स्पष्टता क्यों नहीं है। बघेल ने मांग की कि ओबीसी वर्ग की गणना होनी चाहिए और एससी-एसटी वर्ग के ओबीसी लोगों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए।

महादेव ऐप केस में बड़ा मोड़, ईडी को मिली सौरभ चंद्राकर की 7 दिन की रिमांड

❒ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। महादेव ऐप केस के मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को पीएमएलए स्पेशल कोर्ट ने ईडी की रिमांड पर सौंप दिया है। 19 नवंबर तक प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी उससे पूछताछ करेंगे। बता दें कि शुक्रवार सुबह सौरभ चंद्राकर को पुलिस हथकड़ी लगाकर रायपुर जेल से कोर्ट लेकर पहुंची। इस दौरान कोर्ट परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।कोर्ट में पेश होने के बाद सौरभ को ईडी ने गिरफ्तार किया था। नॉन-बेलेबल वारंट को लेकर कोर्ट में दोनों पक्षों के बीच लंबी बहस हुई। दोनों पक्षों का तर्क सुनने के बाद कोर्ट ने ईडी की रिमांड अर्जी स्वीकार कर ली।

8 दिन की पूछताछ में इन पहलुओं पर जांच

इससे पहले सीबीआई ने सौरभ से महादेव ऐप के नेटवर्क, पैनल ऑपरेटरों, हवाला के जरिए हुए लेनदेन और कथित प्रोटेक्शन मनी को लेकर पूछताछ की। जांच एजेंसी को यह पता लगाना है कि सट्टे से जुटाई गई रकम किन लोगों तक पहुंची और इस पूरे नेटवर्क में किन अधिकारियों और अन्य लोगों की भूमिका थी। सीबीआई ने कोर्ट में रिमांड के दौरान इन पहलुओं पर पूछताछ की जरूरत बताई थी।



सीबीआई ने न्यायिक रिमांड पर भेजने की मांग की

बता दें कि 8 दिन की कस्टोडियल रिमांड खत्म होने के बाद गुरुवार को सौरभ को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया था। सीबीआई ने दोबारा कस्टडी नहीं मांगी और उसे न्यायिक रिमांड पर भेजने की मांग की। कोर्ट ने सौरभ को 19 नवंबर तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया था। गुरुवार को सीबीआई अधिकारियों और पुलिस की टीम हाई सिक्योरिटी के बीच उसे कोर्ट लेकर पहुंची थी। कोर्ट से आदेश मिलने के बाद सौरभ को जेल भेज दिया गया। इस दौरान वह झोला उठाकर जेल के अंदर जाता दिखाई दिया।

जनजातीय गौरव दिवस पर भाजपा का शक्ति प्रदर्शन, सीएम के गढ़ में कांग्रेस लगाएगी जनचौपाल

❒ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अगले विधानसभा चुनाव (2028) होने में भले ही अभी दो साल से ज्यादा का वक्त बचा हो, लेकिन प्रदेश की सत्ता का रास्ता तय करने वाली 29 आदिवासी आरक्षित (ST) सीटों पर सियासी बिसात अभी से बिछने लगी है। एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी 2023 की ऐतिहासिक बढ़त को बरकरार रखते हुए इसे और विस्तार देने की रणनीति पर काम कर रही है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस अपने खिसके हुए आदिवासी जनाधार को वापस पाने के लिए जमीन पर उतर आई है।

धरमजयगढ़ में भाजपा का शक्ति प्रदर्शन, राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे शामिल

आदिवासी समाज के बीच अपनी पैठ और मजबूत करने के लिए भाजपा ने 'जनजातीय गौरव दिवस' को बड़ा सियासी मंच बनाने की तैयारी की है। आगामी 15 नवंबर को रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में पार्टी एक भव्य आयोजन के जरिए अपना शक्ति प्रदर्शन करेगी। इस कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन विशेष रूप से शिरकत करेंगे। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस आयोजन के जरिए भाजपा सरकार और संगठन, दोनों आदिवासी अंचलों में अपनी सक्रियता और पकड़ का सीधा संदेश देना चाहते हैं।

बस्तर के बाद अब सरगुजा साधने निकलेंगे कांग्रेस प्रभारी

भाजपा की इस आक्रामक रणनीति की काट निकालने के लिए कांग्रेस ने भी कमर कस ली है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखदेव



भगत 16 नवंबर से सरगुजा संभाग के तीन दिवसीय मैराथन दौरे पर रहेंगे। इससे पहले वे 7 से 9 अक्टूबर तक बस्तर संभाग की नब्ज टटोल चुके हैं।सरगुजा और बस्तर, ये दोनों ही संभाग छत्तीसगढ़ की राजनीति में 'किंगमेकर' की भूमिका निभाते हैं। भगत इस दौरे के दौरान गांव-गांव में चौपाल लगाकर आदिवासी समुदाय से सीधा संवाद करेंगे, स्थानीय मुद्दों को समझेंगे और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की नाराजगी दूर कर संगठन में नई जान फूंकने की कोशिश करेंगे।

मुख्यमंत्री के गढ़ में कांग्रेस की 'जनचौपाल' और सॉफ्ट हिंदुत्व का दांव

सुखदेव भगत के सरगुजा दौरे का सबसे दिलचस्प पहलू मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के गृह क्षेत्र में होने वाले कार्यक्रम हैं। 16 नवंबर भगत जशपुर से अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। वे मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र कुनकुरी सहित जशपुर, बालाछापर, पतराटोली और कांसाबेल में बूथ स्तरीय जनचौपाल लगाएंगे। खास बात यह है कि इस दिन वे कुनकुरी स्थित कैथोलिक चर्च के बिशप से मुलाकात करेंगे और प्रसिद्ध हनुमान टेकरी मंदिर में दर्शन भी करेंगे, जिसे हर वर्ग को साधने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

दूसरे दिन, यानी 17 नवंबर को, वे मैनपाट, उदयपुर और सलही के ग्रामीण इलाकों में पहुंचेंगे और वहां के स्थानीय लोगों तथा आदिवासी समाज के प्रमुखों के साथ चर्चा करेंगे। वहीं, दौरे के आखिरी दिन 18 नवंबर को, अंबिकापुर में एक बड़ी संगठनात्मक बैठक करने के बाद, वे बलरामपुर में 'जन चौपाल' लगाकर कार्यकर्ताओं में नया जोश भरेंगे।

छत्तीसगढ़ में बाल संरक्षण की नई पहल, 9वीं से 12वीं के छात्र बनेंगे बाल प्रहरी



❒ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्कूलों में अब बच्चे ही अपने साथियों के अधिकारों और सुरक्षा के प्रहरी बनेंगे। प्रदेश के सभी सरकारी और निजी हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों में 'बाल प्रहरी क्लब' बनाए जाएंगे, जो बाल विवाह, बाल श्रम, नशा, मानव तस्करी, पॉक्सो एक्ट और साइबर सुरक्षा जैसे 10 प्रमुख विषयों पर जागरूकता फैलाएंगे। इसके लिए 13 नवंबर को छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग और भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के बीच एमओयू हुआ। आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा और स्काउट्स के राज्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा की मौजूदगी में हुए इस समझौते में तय हुआ कि क्लब में कक्षा 9वीं से 12वीं के विद्यार्थी शामिल होंगे, जो अपने आसपास हो रहे शोषण और अधिकारों के उल्लंघन की जानकारी संबंधित संस्थाओं तक पहुंचाएंगे।

क्लब के सदस्य लंबे समय से स्कूल नहीं आने वाले या किसी परेशानी से जूझ रहे बच्चों की पहचान कर उन्हें दोबारा पढ़ाई से जोड़ने में मदद करेंगे, ताकि ड्रॉपआउट रोका जा सके। हर क्लब के लिए 5 विषय प्रदेश स्तर पर तय किए गए हैं, जबकि बाकी 5 विषय स्थानीय जरूरतों के हिसाब से चुने जाएंगे, जिनमें आवासीय स्कूलों की सुरक्षा, पलायन, सड़कों पर रहने वाले बच्चों की मदद, किशोर स्वास्थ्य और अंधविश्वास के खिलाफ जागरूकता शामिल हो सकते हैं। क्लब ग्राम पंचायत की बाल संरक्षण समितियों, जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 से जुड़े रहेंगे, वहीं जरूरत पड़ने पर 112 की मदद भी ली जाएगी।

संवेदनशील मामलों में बाल प्रहरी खुद हस्तक्षेप या टकराव नहीं करेंगे, उनकी भूमिका सिर्फ जागरूकता फैलाने, सूचना देने और जरूरतमंद बच्चों को सहयोग दिलाने तक सीमित रहेगी, और बच्चों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। इसके लिए पॉक्सो एक्ट और किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों का पालन किया जाएगा। प्रत्येक स्कूल में क्लब गठन के बाद सदस्यों को बाल प्रहरी निष्ठा की शपथ दिलाई जाएगी, हर महीने गतिविधियों की रिपोर्ट देनी होगी और बेहतर काम करने वाले विद्यार्थियों को 'श्रेष्ठ बाल प्रहरी सम्मान' दिया जाएगा। आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने इसे बाल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि बच्चों की भागीदारी से स्कूलों में सुरक्षित माहौल बनेगा।

दुबई से आएगा शराब घोटाले का अहम आरोपी, प्रत्यर्पण की प्रक्रिया लगभग पूरी

❒ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के 2,883 करोड़ रुपए से ज्यादा के कथित शराब घोटाले में लंबे समय से फरार आरोपी विकास अग्रवाल उर्फ सुब्बू को दुबई में गिरफ्तार किया गया है। उसे अक्टूबर 2026 के तीसरे सप्ताह में संयुक्त अरब अमीरात के अधिकारियों ने पकड़ा था। गिरफ्तारी के बाद से वह यूएई अधिकारियों की हिरासत में है। अब उसे भारत लाने के लिए प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि इससे जुड़ी जरूरी औपचारिकताएं लगभग पूरी हो चुकी हैं। हालांकि, उसे भारत कब लाया जाएगा, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।



शराब सिंडिकेट के पैसों का हिसाब संभालता था

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में विकास अग्रवाल की भूमिका अहम बताई गई है। एजेंसी के मुताबिक, वह शराब सिंडिकेट में पैसों का हिसाब संभालता था।आरोप है कि वह डिस्टिलरी और एफएल-10ए लाइसेंसधारियों से कमीशन वसूलता था। इसके बाद यह रकम अनवर ढेबर तक पहुंचाता था। ईडी ने उसे सिंडिकेट के पैसों के लेन-देन की अहम कड़ी बताया है।

2019 से 2023 के बीच 2,883 करोड़ की अवैध कमाई का आरोप

ईडी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में 2019 से 2023 के बीच शराब सिंडिकेट ने अलग-अलग तरीकों से 2,883 करोड़ रुपए से ज्यादा की अवैध कमाई की।जांच में सरकारी शराब दुकानों से बिना हिसाब बिक्री, शराब की खरीद कीमतों में गड़बड़ी और विदेशी शराब के लाइसेंस से जुड़े कमीशन वसूलने के आरोप सामने आए हैं। इस मामले में जांच एजेंसियां अब तक कई चार्जशीट दाखिल कर चुकी हैं।

भारत आने पर कमीशन नेटवर्क से जुड़े खुलासों की उम्मीद

वहीं, अब विकास अग्रवाल की गिरफ्तारी को जांच में अहम माना जा रहा है। भारत आने के बाद ईडी उससे कमीशन नेटवर्क, पैसों के लेन-देन और घोटाले में शामिल अन्य लोगों की भूमिका को लेकर पूछताछ कर सकती है।एजेंसी को उम्मीद है कि पूछताछ में शराब सिंडिकेट के काम करने के तरीके और पैसों के लेन-देन से जुड़े अहम तथ्य सामने आ सकते हैं। फिलहाल प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार है।

छात्रावास-आश्रमों में भोजन राशि बढ़ाने और अधीक्षकों की समस्या सुलझाने की मांग, सिंहदेव का सीएम को पत्र

❒ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर छात्रावासों और आश्रमों में रहने वाले बच्चों के मेस भत्ते में बढ़ोतरी की मांग की है। उन्होंने कहा है कि पिछले तीन साल से बच्चों के भोजन और नाश्ते के लिए तय राशि में कोई वृद्धि नहीं हुई है, जबकि इस दौरान खाद्य सामग्री की कीमतें काफी बढ़ गई हैं। ऐसे में मौजूदा राशि में बच्चों को पौष्टिक और संतुलित भोजन उपलब्ध कराना मुश्किल हो रहा है।

मौजूदा मेस राशि में पौष्टिक भोजन देना मुश्किल

सिंहदेव ने पत्र में लिखा है कि छात्रावासों और आश्रमों में रहने वाले अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के बच्चों के भोजन की राशि में तीन साल से बढ़ोतरी नहीं हुई है। इस दौरान दाल, चावल, खाद्य तेल, सब्जियों, मसालों और ईंधन की कीमतों में वृद्धि हुई है। इसका सीधा असर भोजन व्यवस्था पर पड़ रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि कम राशि के कारण बच्चों को सुबह का नाश्ता और दोनों समय पौष्टिक एवं संतुलित भोजन उपलब्ध कराना व्यावहारिक रूप से मुश्किल होता जा रहा है। इसका असर बच्चों के स्वास्थ्य, शारीरिक विकास और पढ़ाई पर भी पड़ सकता है।

एचएमएस पोर्टल पर उपस्थिति के आधार पर कटौती का मुद्दा

सिंहदेव ने छात्रावासों के मेस बजट में एचएमएस पोर्टल के जरिए होने वाली कटौती पर भी सवाल उठाए हैं। पत्र के मुताबिक, किसी विद्यार्थी की एक-दो दिन की अनुपस्थिति



के आधार पर मेस बजट में कटौती कर दी जाती है, जबकि सामूहिक रसोई में गैस, मसालों और रसोइयों का खर्च लगभग स्थिर रहता है। उन्होंने मांग की है कि न्यूनतम 24 दिन की उपस्थिति पर पूरा मेस बजट स्वीकृत किया जाए, ताकि भोजन व्यवस्था प्रभावित न हो।

अधीक्षकों के परिवार के लिए अलग आवास की मांग

पत्र में सिंहदेव ने कहा है कि छात्रावास अधीक्षकों की ड्यूटी 24 घंटे की होती है। उन्हें छुट्टी नहीं मिलती और परिवार के सदस्यों को छात्रावास में रहने की अनुमति भी नहीं है। उन्होंने अधीक्षकों के परिवार के लिए छात्रावास परिसर से अलग आवासीय भवन बनाने का सुझाव दिया है, ताकि वे परिवार के साथ रहकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकें।

ये मांगें भी उठाईं

सिंहदेव ने छात्रावासों के सुचारू संचालन के लिए अन्य मांगों पर भी सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। इनमें बर्तन, सफाई सामग्री, प्राथमिक उपचार और आकस्मिक खर्च के लिए पर्याप्त बजट, ऑनलाइन उपस्थिति के लिए कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा, शिक्षक संवर्ग के प्रभारी अधीक्षकों को टीएसके ऐप की अनिवार्यता से छूट और अधीक्षक संवर्ग के कैडर पुनर्गठन की मांग शामिल है। उन्होंने मुख्यमंत्री से बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण को प्राथमिकता देते हुए मेस भत्ते में महंगाई के अनुरूप तत्काल बढ़ोतरी करने और अधीक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभाग को निर्देश देने का आग्रह किया है।

करवां के भानु प्रताप राजवाड़े ने एमडी मेडिसिन क्लियर कर बने डॉक्टर



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। छोटे से ग्राम पंचायत करवां से निकले डॉ. भानु प्रताप राजवाड़े ने मेडिकल की दुनिया में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। उन्होंने एमबीबीएस के बाद एमडी मेडिसिन की परीक्षा सफलतापूर्वक पास कर ली है और एमसीआई और एनएमसी की सभी औपचारिकताएं पूरी कर डॉक्टर बन गए हैं। डॉ. भानु प्रताप राजवाड़े कालरीकर्मी अमर साय राजवाड़े के सुपुत्र हैं। डॉक्टर भानु प्रताप राजवाड़े ने सालों की मेहनत, लगन और परिवार के समर्थन से यह मुकाम हासिल किया है। ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले छात्र के लिए एमबीबीएस के बाद एमडी मेडिसिन पास करना आसान नहीं होता, लेकिन भानु प्रताप ने साबित कर दिया कि इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयास से बड़े सपने भी पूरे किए जा सकते हैं। स्थानीय लोगों में इस खबर से खुशी की लहर दौड़ गई है। डॉक्टर भानु प्रताप राजवाड़े के उज्ज्वल भविष्य की कामना लोग कर रहे हैं।

शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में कलेक्टर सख्त, वीएसके ऐप पर हाजिरी अनिवार्य

★ कलेक्टर की दो टूक : वीएसके ऐप पर हाजिरी अनिवार्य, बिना सूचना अनुपस्थिति पर होगी नियमानुसार कार्यवाही
★ वीएसके ऐप पर रोज़ हाजिरी अनिवार्य, बीईओ स्वयं लॉगिन कर करेंगे उपस्थिति की जांच ★ बिना कारण अनुपस्थित शिक्षकों का रुकेगा वेतन, होगी नियमानुसार कार्यवाही, ऑफलाइन मोड आने से अब नेटवर्क का बहाना नहीं चलेगा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने, शिक्षकों और विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा बोर्ड परीक्षा परिणाम बेहतर बनाने के लिए कलेक्टर ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सबसे ज्यादा जोर वीएसके (विद्या समीक्षा केंद्र) ऐप के जरिए शिक्षकों और कर्मचारियों की ऑनलाइन उपस्थिति पर रहा। कलेक्टर ने साफ कहा कि सभी शिक्षकों और स्कूल स्टाफ को हर दिन वीएसके ऐप में अपनी उपस्थिति दर्ज करनी होगी। इसमें किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी और खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि वीएसके ऐप पर उपस्थिति दर्ज कराना उनकी सीधी जिम्मेदारी है। खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) स्वयं वीएसके ऐप में लॉगिन कर अपने विकासखंड के स्कूलों की उपस्थिति की स्थिति रोज़ देखेंगे और उसकी नियमित मॉनिटरिंग करेंगे। जो शिक्षक और कर्मचारी बिना सूचना के अनुपस्थित रहते हैं या वीएसके ऐप में अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कर रहे हैं, उनका वेतन रोकने और उन पर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी, बीईओ, प्राचार्यों और आहरण-संवितरण अधिकारियों (डीडीओ) को दिए गए।



शिक्षा अधिकारी के माध्यम से सभी डीडीओ को निर्देशित किया गया है कि सेवानिवृत्त, दिवंगत और स्थानांतरित कर्मचारियों के नाम व्ह्ह्ाष्द्धश्शश्च.द्बठ्ठ पोर्टल और वीएसके ऐप से तत्काल हटाए जाएं, ताकि रिकॉर्ड में कोई गड़बड़ी न रहे।

बैठक में नेटवर्क विहीन क्षेत्रों में ऑनलाइन हाजिरी की दिक्कत का मुद्दा भी उठा। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री नरेन्द्र निरापुरी ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग ने सीजीवीएसके ऐप को अपग्रेड कर दिया है। अब इसमें ऑफलाइन मोड और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन की सुविधा जुड़ गई है, जिससे शिक्षक बिना इंटरनेट के भी स्कूल परिसर में चेक-इन कर सकेंगे। उपस्थिति की तारीख, समय, बायोमेट्रिक सत्यापन और जीपीएस लोकेशन का डेटा मोबाइल में सुरक्षित रहेगा और नेटवर्क मिलते ही अपने-आप मुख्य सर्वर से सिंक हो जाएगा। ऐसे में अब किसी भी शिक्षक का नेटवर्क न होने का बहाना स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य कर्मचारियों की उपस्थिति का पारदर्शी ऑनलाइन रिकॉर्ड रखना और शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाना है।

बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने मिशन आचार्य के तहत स्कूलों में स्टडी कॉर्नर विकसित करने और विद्यार्थियों में रोज़ 20 मिनट पढ़ने की आदत डालने के निर्देश दिए। उन्होंने कक्षा 10वीं और 12वीं का पाठ्यक्रम निर्धारित समय में पूरा करने को कहा। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के त्रैमासिक परीक्षा परिणामों की समीक्षा कर उन्होंने कमजोर प्रदर्शन वाले स्कूलों के लिए अलग कार्ययोजना बनाने, चौप्टरवार तैयारी कराने और ब्लू प्रिंट के आधार पर उत्तर लेखन का अभ्यास कराने के निर्देश दिए। हर सप्ताह टेस्ट सीरीज आयोजित कर उसके परिणामों का नियमित विश्लेषण करने को कहा गया। कलेक्टर ने अतिरिक्त कक्षाओं और विशेष शिक्षण गतिविधियों की जानकारी ली तथा अपार आईडी के तहत विद्यार्थियों का पंजीयन शत-प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि स्कूलों में विद्यार्थियों और शिक्षकों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारी औचक निरीक्षण के साथ नियमित मॉनिटरिंग करें। साथ ही स्कूलों में अनुशासन और शैक्षणिक माहौल बनाए रखने के लिए अपने प्रशासनिक अधिकारों का प्रभावी उपयोग करें। परीक्षा की तैयारी को देखते हुए उन्होंने अनावश्यक अवकाश पर नियंत्रण रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार जिला प्रशासन की प्राथमिकता है और इसके लिए प्राचार्यों, शिक्षकों और अधिकारियों को मिलकर काम करना होगा। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि आगामी समीक्षा बैठक में स्कूलवार उपस्थिति, शैक्षणिक प्रदर्शन और परीक्षा परिणामों में सुधार साफ दिखना चाहिए।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री नरेन्द्र निरापुरे, सहायक जिला परियोजना अधिकारी श्री ओम प्रकाश गुप्ता, डीपीओ साक्षर भारत श्री हीरालाल पटवा, सर्व विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, खण्ड स्त्रोत समन्वयक सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

प्रीति सोनी को मिली डॉक्टरेट की उपाधि, क्षेत्र का बढ़ाया गौरव



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पार्वती इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेनिंग रिसर्च एंड मैनेजमेंट बीएड कॉलेज मदनपुर सिलफिली की सहायक प्राध्यापिका प्रीति सोनी ने शैक्षणिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए डॉक्टरेट पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। उन्हें पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के मनोविज्ञान अध्ययनशाला द्वारा यह उपाधि प्रदान की गई है। डॉ. प्रीति सोनी ने सोशल मीडिया के उपयोग का किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण पर प्रभाव का अध्ययन विषय पर अपना शोध कार्य पूर्ण किया। उन्होंने यह शोध कार्य डॉ. मीता झा सेवानिवृत्त प्राध्यापक, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के निर्देशन में किया है। गत दिनों 2 नवंबर को उनका फाइनल वाइवा संपन्न होने पश्चात विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद द्वारा उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई। डॉ. प्रीति सोनी की इस उपलब्धि पर पार्वती इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेनिंग रिसर्च एंड मैनेजमेंट कॉलेज प्रबंधन एवं शासी निकाय के संस्थापक ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पार्वतीपुर मुक्तिधाम का कराया जा रहा कायाकल्प, सरपंच की अगुवाई में शुरू हुआ रंग-रोगन का काम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत पार्वतीपुर स्थित मुक्तिधाम अब नए रूप में सामने आ रहा है। सरपंच चंद्रदेव तिर्की के नेतृत्व में मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले दिनों शेड की मरम्मत पूरी होने के बाद अब रंग-रोगन का कार्य शुरू कर दिया गया है। सरपंच चंद्रदेव तिर्की ने बताया कि मुक्तिधाम गांव की एक महत्वपूर्ण जगह है, जहां अंतिम संस्कार की व्यवस्था को बेहतर और स्वच्छ बनाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जीर्णोद्धार के काम में किसी भी तरह की कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। शेड की मरम्मत के बाद अब दीवारों, छत और आसपास के हिस्से को रंग-रोगन कर नया रूप दिया जा रहा है, ताकि मुक्तिधाम की साज-सज्जा और उपयोगिता दोनों में सुधार हो। लोगों का कहना है कि लंबे समय से मुक्तिधाम की हालत खराब थी। सरपंच के प्रयासों से अब यहां सुधार का काम दिखाई दे रहा है। रंग-रोगन पूरा होने के बाद मुक्तिधाम का माहौल पहले से ज्यादा स्वच्छ और व्यवस्थित हो जाएगा। सरपंच ने आश्वासन दिया है कि काम को गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा कराया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को बेहतर सुविधा मिल सके।



बच्चा चोर की अफवाह ने मचाया कोहराम, कोइलीजोर में दो भाइयों की सरेआम पिटाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

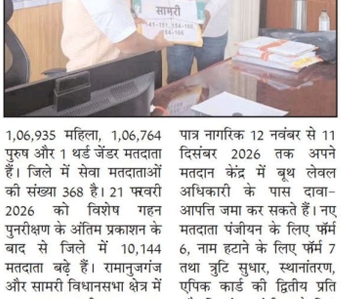
बिश्रामपुर। शुक्रवार की सुबह ग्राम पंचायत अजबनगर के कोइलीजोर में बच्चा चोर की खबर हवा की तरह फैल गई और मिनटों में पूरा माहौल तनावपूर्ण हो गया। दो चचेरे भाइयों को ग्रामीणों ने घेर लिया, जमकर पिटाई करके जयनगर पुलिस के हवाले कर दिया। बताया जा रहा है कि आज सुबह करीब 10 बजे अंबिकापुर के दरिमा मार्ग किनारे रहने वाले राम राज महावत पिता चंदर महावत अपने चचेरे भाई के साथ मोटरसाइकिल पर कोइलीजोर पहुंचे थे। दोनों मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के मालवीयनगर सिद्धौर के रहने वाले हैं। वे गांव में अंगूठी के नग और माला की लॉकेट बेचने आए थे। अजबनगर कोइलीजोर में आश्रम के पास कथित रूप से दोनों ने चार छोटे बच्चों को बिस्कुट और चॉकलेट खिलाने के बहाने बुलाया। दो बच्चे शोर मचाते हुए भाग निकले। इसी बीच अफवाह तेजी से फैल गई कि दोनों भाइयों ने दो बच्चियों को बाइक पर बिठाने की कोशिश की है। बस फिर क्या था, आसपास के लोग दौड़ पड़े। गुस्से से भरे ग्रामीणों ने दोनों को पकड़कर सरेआम पिटाई शुरू कर दी। ग्रामीणों का आक्रोश इतना था कि दोनों भाई बुरी तरह घायल हो गए। इसके बाद उन्हें जयनगर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने दोनों का इलाज करवाया और वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। एक छोटी सी खबर ने पूरे गांव में तनाव पैदा कर दिया और पुलिस जांच जारी है।



मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन, जिले में 5.46 लाख मतदाता, 11 दिसंबर तक दर्ज करा सकेंगे दावा-आपत्ति

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के आधार पर फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत आज 12 नवंबर को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया गया। सूची निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण कार्यालयों तथा सभी मतदान केंद्रों में प्रकाशित की गई है। सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली और बिना फोटो वाली मतदाता सूची की सीडी की एक-एक प्रति निःशुल्क उपलब्ध कराई गई है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनिल सिदार द्वारा बताया गया कि प्रारंभिक प्रकाशन में जिले में कुल 5,46,133 मतदाता पंजीकृत हैं। प्रतापपुर (आंशिक) विधानसभा क्षेत्र में 1,20,179 मतदाता हैं, जिनमें 59,248 महिला और 60,931 पुरुष हैं। रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र में 2,12,254 मतदाता हैं, जिनमें 1,04,609 महिला, 1,07,637 पुरुष और 8 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। सामरी विधानसभा क्षेत्र में 2,13,700 मतदाता हैं, जिनमें 1,06,935 महिला, 1,06,764 पुरुष और 1 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। जिले में सेवा मतदाताओं की संख्या 368 है। 21 फरवरी 2026 को विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतिम प्रकाशन के बाद से जिले में 10,144 मतदाता बढ़े हैं। रामानुजगंज और सामरी विधानसभा क्षेत्र में 302-302, यानी कुल 604 मतदान केंद्र हैं। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के 168 मतदान केंद्रों का प्रकाशन सूरजपुर जिले द्वारा किया गया है।



पात्र नागरिक 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक अपने मतदान केंद्र में बूथ लेवल अधिकारी के पास दावा-आपत्ति जमा कर सकते हैं। नए मतदाता पंजीयन के लिए फॉर्म 6, नाम हटाने के लिए फॉर्म 7 तथा त्रुटि सुधार, स्थानांतरण, एपिक कार्ड की द्वितीय प्रति और दिव्यांगता पंजीयन के लिए फॉर्म 8 भरा जा सकता है। ये फॉर्म ECINET मोबाइल ऐप या voters.eci.gov.in पोर्टल से ऑनलाइन भी भरे जा सकते हैं। 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष पूरे करने वाले युवाओं के साथ 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर 2027 को पात्र होने वाले नागरिक भी अग्रिम आवेदन कर सकते हैं। दावा-आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर तक होगा और मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को किया जाएगा।

पंजीयन के बाद मतदाता अपना ई-एपिक कार्ड पोर्टल या मोबाइल ऐप से स्वयं डाउनलोड कर सकते हैं, जबकि एपिक कार्ड की फिजिकल कॉपी स्पीड पोस्ट से घर पहुँचाई जाएगी। मतदाता ECINET के माध्यम से अपने बूथ लेवल अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं या टोल फ्री नंबर 1950 पर जानकारी ले सकते हैं। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के निर्णय के विरुद्ध जिला मजिस्ट्रेट और उसके बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के समक्ष अपील की जा सकती है।

दो दिन से बंद स्कूली बस, डेढ़ सौ से अधिक बच्चों की पढ़ाई प्रभावित

ठंड में सुबह-सुबह मोटरसाइकिल से स्कूल पहुंचाने को मजबूर अभिभावक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र में प्रबंधन की ओर से संचालित गेतरा से बिश्रामपुर आने वाली स्कूली बस सेवा पिछले दो दिनों से बंद है। इसका सीधा असर डेढ़ सौ से अधिक स्कूली बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। बस सेवा बंद होने से बच्चों के साथ अभिभावकों की भी परेशानी बढ़ गई है। स्कूल बस बंद होने के बाद भी प्रबंधन की ओर से अब तक कोई वैकल्पिक परिवहन व्यवस्था नहीं की गई है। जानकारी के अनुसार गेतरा सबरिया ऑफिस के पास से प्रतिदिन सुबह 6.45 बजे स्कूली बस रवाना होती थी, जो सुबह 7.50 बजे बिश्रामपुर पहुंचती थी। इस मार्ग पर दो बसों का संचालन होता था। इनमें प्रभावित क्षेत्र के आसपास रहने वाले डेढ़ सौ से अधिक बच्चे बिश्रामपुर के विभिन्न स्कूलों में पढ़ने जाते हैं। अचानक दोनों बसों का संचालन बंद होने से बच्चों की नियमित पढ़ाई प्रभावित हो रही है।नवंबर महीने में सुबह और शाम ठंड का असर लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में छोटे-छोटे बच्चों को सुबह-सुबह मोटरसाइकिल से स्कूल पहुंचाना अभिभावकों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। ठंड में लंबी दूरी तय करने से बच्चों को सर्दी, खांसी, जुकाम और बुखार जैसी मौसमी परेशानियों का खतरा रहता है। खासकर छोटे बच्चों के लिए सुबह की ठंडी हवा में लगातार सफर करना परेशानी बढ़ा सकता है। बस सुविधा बंद होने से कई अभिभावक अपने कामकाज छोड़कर बच्चों को मोटरसाइकिल से स्कूल छोड़ने और वापस लाने को मजबूर हैं। अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई के साथ उनके स्वास्थ्य और सड़क सुरक्षा की भी चिंता सता रही है। वहीं सुबह के समय कोहरे और ठंडी हवाओं के बीच दोपहिया वाहन से बच्चों का सफर जोखिम भरा भी हो गया है। एसईसीएल कर्मचारियों से चर्चा करने पर बताया गया कि एक स्कूली बस का टायर कमजोर होने के कारण उसे लेकर नोटिस जारी किया गया है। लेकिन सवाल यह है कि तकनीकी खराबी के कारण बस का संचालन रोकना जरूरी हो सकता है, तो क्या बच्चों की पढ़ाई और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तत्काल दूसरी बस की व्यवस्था नहीं की जा सकती थी। दो बसों के संचालन पर निर्भर डेढ़ सौ से अधिक बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने के बावजूद वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होना प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। अभिभावकों की मांग है कि एसईसीएल प्रबंधन तत्काल दोनों बसों का संचालन शुरू कराए अथवा मरम्मत होने तक दूसरी बस की व्यवस्था करे, ताकि बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो और उन्हें कड़ाके की ठंड में दोपहिया वाहनों से स्कूल जाने की मजबूरी से राहत मिल सके।

छठ पर्व की तैयारियों का कलेक्टर ने लिया जायजा, व्यवस्थाओं को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए यातायात, पार्किंग, विद्युत, स्वच्छता एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश'

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सूर्य उपासना के महापर्व छठ को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने अधिकारियों के साथ सेंदुर नदी स्थित छठ घाट पहुँचकर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने छठ पूजा समिति के सदस्यों से आयोजन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर चर्चा की तथा अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएँ समय पर पूरी करने के निर्देश दिए।



कलेक्टर ने घाटों और पूजा स्थलों पर पुलिस बल व नगर सैनिकों की तैनाती, मुख्य मार्गों पर बैरिकेडिंग, आवागमन मार्ग निर्धारण और पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था करने को कहा। घाटों पर बिजली, साफ-सफाई और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के साथ आपात स्थिति के लिए स्वास्थ्य टीम और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। घाट में सुरक्षा के लिए गोताखोरों की तैनाती और श्रद्धालुओं की निगरानी के इंतजाम करने को भी कहा। उन्होंने पुलिस और राजस्व विभाग को आपसी समन्वय से शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं का आवागमन सहज और सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर एसडीएम श्री विवेक चन्द्रा, जनप्रतिनिधि, संबंधित विभागों के अधिकारी और छठ पूजा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

डिजिटल सुविधा से आसान हुई धान बिक्री की प्रक्रिया, किसान धनसुख तिर्की ने घर बैठे प्राप्त किया टोकन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा किसानों की सुविधा के लिए धान खरीदी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाया जा रहा है। डिजिटल सुविधाओं के विस्तार से अब किसानों को धान बिक्री के लिए टोकन प्राप्त करने हेतु समितियों के चक्कर लगाने और लंबी कतारों में खड़े होने की आवश्यकता नहीं है। ह्यातुंहर टोकनह्न मोबाइल ऐप के माध्यम से किसान घर बैठे ही अपनी उपज बेचने के लिए ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर रहे हैं। इसी डिजिटल सुविधा का लाभ उठाते हुए सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत मानिकप्रकाशपुर निवासी किसान धनसुख तिर्की ने 23 क्विंटल धान बिक्री के लिए ऑनलाइन टोकन प्राप्त किया है। वे आगामी 15 नवंबर को खैरबार धान उपार्जन केंद्र में अपनी उपज बेचेंगे।

डिजिटल सुविधा से मिली सहूलियत, घर बैठे प्राप्त किया धान बिक्री का टोकन

किसान धनसुख तिर्की ने बताया कि इस वर्ष उनके खेतों में धान की अच्छी पैदावार हुई है। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी वे 23 क्विंटल धान बेचेंगे। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा किसानों की सुविधा के लिए टोकन प्राप्त करने की दो व्यवस्थाएं की गई हैं। किसान ह्यातुंहर टोकनह्न मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर सकते हैं अथवा समिति में पहुंचकर भी टोकन कटवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि मोबाइल ऐप के माध्यम से उन्होंने आसानी से 23 क्विंटल धान बिक्री का टोकन प्राप्त कर लिया है। अब वे निर्धारित तिथि पर सीधे उपार्जन केंद्र पहुंचकर अपना धान बेच सकेंगे। इस डिजिटल व्यवस्था से किसानों को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिलने के साथ समय और श्रम की भी बचत हो रही है।

खैरबार समिति से जुड़े 15 ग्राम पंचायतों के 644 किसान, खरीदी की तैयारियां पूरी

खैरबार धान उपार्जन केंद्र से मानिकप्रकाशपुर, कान्तिप्रकाशपुर, श्रीगढ़, नवागढ़, बधियाचुआं, खैरबार, मलगवांखुर्द, रामनगर, रनपुर खुर्द, सोनपुर, असोला, मायापुर, पंच फेड़ी, मणिपुर और लक्ष्मीपुर सहित कुल 15 ग्राम पंचायतों के किसान जुड़े हुए हैं। समिति में कुल 644 किसान पंजीकृत हैं, जो निर्धारित



तिथि पर अपनी उपज का विक्रय कर सकेंगे। इसके साथ ही पेयजल और बैठने के लिए छायादार शेड की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों को धान बेचने के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया है।

धान बिक्री की राशि से खेती-किसानी को मिला संबल, परिवार की जरूरतें भी हुईं पूरी

अपने अनुभव साझा करते हुए तिर्की ने बताया कि पिछले वर्ष उन्होंने 23 क्विंटल धान बेचा था, जिसके लिए उन्हें 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से राशि प्राप्त हुई थी। धान बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग उन्होंने खेती-किसानी के कार्यों और परिवार की आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में किया। उन्होंने कहा कि धान का अच्छा मूल्य मिलने से किसानों को आर्थिक संबल मिलता है और वे अगली फसल की तैयारी भी बेहतर ढंग से कर पाते हैं।

डिजिटल सुविधा और किसानों के हित में लिए गए निर्णयों के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार

धनसुख तिर्की ने धान खरीदी की प्रक्रिया को डिजिटल माध्यम से सरल बनाने, किसानों को उनकी उपज का अच्छा मूल्य दिलाने और उपार्जन केंद्रों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए छत्तीसगढ़ शासन एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा किसानों के हित में किए जा रहे प्रयासों से खेती-किसानी को प्रोत्साहन मिल रहा है। ऑनलाइन टोकन की सुविधा से धान बेचने की प्रक्रिया आसान हुई है और किसानों को अनावश्यक परेशानी से राहत मिल रही है।

विधायक ने किया बंशीपुर में 59.72 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जरही। सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत बंशीपुर में गुरुवार को विकास कार्यों को नई गति देते हुए कुल 59.72 लाख रुपये की लागत से होने वाले तीन निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणि पैकरा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। भूमिपूजन के तहत गौठिया घर से संजय घर तक 46.72 लाख रुपये की लागत से सीसी सड़क निर्माण, मधु घर से कनेश्वर घर तक 10 लाख रुपये की लागत से सीसी



सड़क निर्माण तथा 3 लाख रुपये की लागत से शेड निर्माण कार्य शामिल हैं इस अवसर पर विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है। विकास कार्यों के माध्यम से आमजन को बेहतर आवागमन और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सरपंच गुलाब सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश सिंह, जिला प्रतिनिधि अभय तिवारी, महामंत्री लाल साय पावले सहित गोपाल शरण सिंह, राजनाथ पैकरा, प्रतीक जायसवाल, विकास तिवारी, राजू शर्मा, समय लाल मिश्रा, मीना श्रीवास्तव, किरण गुप्ता, नीलिमा पैकरा, शुभम जायसवाल, नागेंद्र सिंह, धनंजय सिंह, सुजीत मिश्रा, धनेश्वर राजवाड़े, सौरभ गुप्ता, अमित सिंह, रंजन मंडल, चंदकी गुप्ता, राकेश गुप्ता, राम सिंह, भुनेश्वर सिंह, तुलेंद्र गुप्ता, सोहर साय पैकरा, बलबीर पैकरा, संजय राजवाड़े एवं वीरेंद्र गुप्ता सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। भूमिपूजन कार्यक्रम के बाद ग्रामीणों ने क्षेत्र में विकास कार्यों की स्वीकृति पर खुशी जाहिर करते हुए जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ के बिजली कर्मियों को पुरानी पेंशन की सौगात, चेयरमैन से वार्ता में 5 बड़ी मांगों पर बनी सहमति

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ-महासंघ द्वारा विगत दो वर्षों से बिजली कर्मियों की विभिन्न ज्वलंत मांगों को लेकर निरंतर किए जा रहे आंदोलन, प्रदर्शन एवं संघर्ष का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। महासंघ की प्रमुख मांग पुरानी पेंशन योजना लागू करने सहित विद्युत क्षेत्र के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए आज 13 नवंबर 2026 को मंत्रालय, नवा रायपुर में मुख्यमंत्री के विशेष सचिव एवं विद्युत कंपनी के चेयरमैन सुबोध सिंह के साथ महासंघ को द्विपक्षीय वार्ता हेतु आमंत्रित किया गया। विशेष वार्ता के दौरान कई महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय लिया



गया, जो निम्नानुसार हैं:-

पुरानी पेंशन योजना को शासन की स्वीकृति

महासंघ की प्रमुख मांग पुरानी पेंशन योजना लागू करने के संबंध में विद्युत कंपनी के चेयरमैन सुबोध सिंह ने स्पष्ट किया कि महासंघ की मांग पर छत्तीसगढ़ शासन के ऊर्जा विभाग एवं वित्त विभाग से पुरानी पेंशन योजना लागू करने की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है, जिसकी तिथि तय कर उचित मंच पर घोषणा की जाएगी।

विद्युत कंपनी में समानांतर लाइसेंस लागू नहीं होगा

विद्युत कंपनी में समानांतर लाइसेंस लागू किए जाने की संभावित प्रक्रिया पर महासंघ ने अपना तार्किक एवं तथ्यात्मक पक्ष रखते हुए इसका पुरजोर विरोध किया तथा इसे लागू नहीं करने की मांग रखी। इस पर चेयरमैन सुबोध सिंह ने स्पष्ट रूप से बताया कि विद्युत कंपनी में किसी भी प्रकार का समानांतर लाइसेंस नहीं देने का निर्णय लिया गया तथा उन्होंने इस विषय पर कर्मचारियों को किसी भी प्रकार के भ्रम एवं बहकावे में नहीं आने की बात कही।

विभागीय कोटे में भर्ती प्रक्रिया करने के निर्देश

विद्युत कंपनी में विभागीय कोटे में भर्ती के विषय पर भी महासंघ ने अपनी मांग प्रमुखता से रखी। चर्चा के उपरांत चेयरमैन ने संबंधित अधिकारियों को भर्ती हेतु निर्धारित विभागीय कोटे में प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

दुग्गा पंचायत में विकास कार्यों में बड़ा गड़बड़झाला, 24 लाख की वसूली के लिए प्रस्ताव भेजा गया

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भटगांव। सूरजपुर जिले के भैयाथान जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत दुग्गा में 24 लाख रुपये से अधिक की शासकीय राशि के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। वर्ष 2020 से 2026 के बीच स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों की राशि आहरित करने के बावजूद मौके पर कई कार्य अधूरे पाए गए। जांच में तत्कालीन एवं वर्तमान सरपंच-सचिव को कुल 24 लाख 1 हजार 493 रुपये की वित्तीय अनियमितता के लिए जिम्मेदार पाया गया है। जनपद पंचायत भैयाथान के सीईओ के क्षेत्र भ्रमण के दौरान सड़क, पेयजल, स्वच्छता सहित अन्य विकास कार्यों में गड़बड़ी सामने आई थी। इसके बाद गठित जांच दल ने मौके पर कार्यों का निरीक्षण और मूल्यांकन कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। जांच के आधार पर संबंधित सरपंच एवं सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी कर राशि शासकीय कोष में जमा करने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन निर्धारित समय सीमा बीतने के बाद भी राशि जमा नहीं की गई और अधूरे कार्य भी पूरे नहीं कराए गए। अब जनपद पंचायत ने वसूली की कार्रवाई शुरू करते हुए कार्यालयीन पत्र क्रमांक 4572, दिनांक 12 नवंबर 2026 के माध्यम से अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), भैयाथान के न्यायालय में संबंधित सरपंच-सचिव के विरुद्ध आरआरसी प्रकरण दर्ज कराने का प्रस्ताव भेजा है।

आरोपों के बीच जरही लिंक कोर्ट में शैलेन्द्र कुमार की पदस्थापना, प्रशासनिक फेरबदल पर उठे सवाल

जरही। जिले में राजस्व विभाग के प्रशासनिक फेरबदल के तहत शैलेन्द्र कुमार को जरही लिंक कोर्ट का नया नायब तहसीलदार नियुक्त किया गया है। कलेक्टर कार्यालय से 12 नवंबर को जारी आदेश के अनुसार शैलेन्द्र कुमार इससे पहले भू-अभिलेख शाखा सूरजपुर में पदस्थ थे। उन्हें आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से जरही लिंक कोर्ट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इधर, पूर्व में जिले में पदस्थ रहे नायब तहसीलदार लटोरी शैलेन्द्र दिवाकर के खिलाफ रायपुर के गंज थाने में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के आरोप में बीएनएस की धारा 69 के तहत मामला दर्ज होने का प्रकरण भी चर्चा में है। बताया गया था कि एफआईआर के बाद वे मेडिकल अवकाश पर चले गए थे।

कोऑपरेटिव सचिव की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पेड़ से लटका मिला शव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनऊ। ड्यूटी पर जाने की बात कहकर घर से निकले कोऑपरेटिव सचिव का शव गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में माल थाना क्षेत्र के हरिहरपुर गांव स्थित एक बाग में आम के पेड़ से लटकता मिला। शव मिलने की खबर से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। काकोरी थाना क्षेत्र के बहरू गांव निवासी राज कपूर (33) इटौंजा स्थित साधन सहकारी समिति में कोऑपरेटिव सचिव के पद पर तैनात थे। परिजनों के मुताबिक, वह रोज की तरह गुरुवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे बाइक से ड्यूटी जाने की बात कहकर घर से निकले थे। इसके बाद उनका शव माल थाना क्षेत्र के हरिहरपुर गांव में योगेंद्र सिंह के बाग में आम के पेड़ से प्लास्टिक की रस्सी के सहारे लटका मिला। राहगीरों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी दी और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, घटनास्थल से कुछ दूरी पर मृतक की स्प्लेंडर बाइक खड़ी मिली। बाइक पर बैग टंगा हुआ था, जबकि मोबाइल फोन भी वहीं बरामद हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक अपने पीछे पिता शिवपाल, मां शिवरानी, पत्नी राखी और दो बेटे शौर्य (10) व अभिराज (8) को छोड़ गए हैं। पति की मौत से पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस संबंध में माल थाना प्रभारी नवाब अहमद ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

अंबिकापुर में बढ़ी ठिठुरन, पारा 11.4 डिग्री पर पहुंचा, अगले 5 दिन शुष्क रहेगा मौसम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब सुबह और रात की ठंडक धीरे-धीरे अपना असर दिखाने लगी है। मौसम विज्ञान केंद्र रायपुर से मिली ताजा जानकारी के मुताबिक, पूरे प्रदेश में फिलहाल मौसम शुष्क बना हुआ है और आगामी 5 दिनों तक न्यूनतम तापमान में किसी बड़े बदलाव के आसार नहीं हैं। राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 11.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि दिन के समय दुर्ग 32.2 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म रहा।

बंगाल की खाड़ी में हलचल तेज, बन रहा नया सिस्टम

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार,



मध्य अंडमान सागर और उससे सटे अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के ऊपर बना ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई तक सक्रिय है। इसके प्रभाव से आज 13 नवंबर के आसपास दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की प्रबल संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि यह सिस्टम उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर आगे बढ़ेगा और 14 नवंबर तक एक सुस्पष्ट निम्न दबाव के क्षेत्र में बदल जाएगा। इसके बाद 15 नवंबर के आसपास इसी क्षेत्र में इसके और मजबूत होकर 'अवदाब' में तब्दील होने की संभावना है। हालांकि, राहत की बात यह है कि इस सिस्टम का छत्तीसगढ़ के मौसम पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा और आने वाले दिनों में प्रदेश में मौसम पूरी तरह शुष्क रहेगा। मौसम विभाग ने किसी भी तरह की चेतावनी जारी नहीं की है।

विद्यालय प्रबंधन समिति ने जिला चैंपियनशिप के लिए चयनित विद्यार्थी प्रिंस को मोमेंटो देकर किया सम्मानित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। कलेक्टर रेना जमील के मार्गदर्शन, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार सिन्हा एवं डीएमसी मनोज साहू के निर्देशन तथा माय भारत के जिला नोडल प्रिंस सिंह के नेतृत्व में जिले के विद्यालयों में माय भारत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर के विद्यार्थी प्रिंस ठाकुर ने विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2027 के द्वितीय चरण (निबंध प्रतियोगिता) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिला चैंपियनशिप (प्रेजेंटेशन राउंड) के लिए चयनित होकर विद्यालय एवं जिले का गौरव बढ़ाया है। इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन समिति की उपाध्यक्ष दिव्या ताजे,



ग्राम पंचायत के सरपंच राम सिंह टेकाम, उपसरपंच दशरथ गुप्ता एवं समिति के अन्य सदस्यों ने विद्यार्थी प्रिंस ठाकुर को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया तथा आगामी चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएँ दीं।

मार्गदर्शक शिक्षक गोपाल सिंह ने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करना तथा विकसित भारत 2047 के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। विद्यालय के प्राचार्य पी.सी. सोनी व वरिष्ठ व्याख्याता सीमा दुबे ने विद्यार्थी को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने भी हर्ष व्यक्त करते हुए प्रिंस ठाकुर के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शैक्षिक गुणवत्ता और सूर्योदय सूरजपुर के प्रभावी क्रियान्वयन पर प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। विकासखंड रामानुजनगर में शैक्षिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने तथा जिला प्रशासन की अभिनव पहल ह्यसूर्योदय सूरजपुरह्न के प्रभावी क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग को लेकर बीआरसी कार्यालय रामानुजनगर में माध्यमिक शालाओं के प्रधान पाठकों का प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित किया गया। कार्यशाला में विकासखंड शिक्षा अधिकारी अवधेश साहू एवं विकासखंड स्रोत केंद्र समन्वयक (बीआरसी) विजय साहू ने उपस्थित प्रधान पाठकों को कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य



विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता को मजबूत करना, बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार लाना तथा ह्यसूर्योदय सूरजपुरह्न कार्यक्रम को विद्यालय स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना रहा। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि किसी भी शैक्षिक नवाचार की सफलता उसके नियमित एवं प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। इसके लिए विद्यालय प्रमुखों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बीईओ अवधेश साहू ने शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रधान पाठकों को विद्यालयों में नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन, शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता, विद्यार्थियों की उपस्थिति तथा बच्चों के सीखने की प्रगति पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में केवल पाठ्यक्रम पूरा करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि प्रत्येक बच्चा अपनी कक्षा के अनुरूप निर्धारित दक्षताओं को प्राप्त कर रहा है। इसके लिए शिक्षकों को बच्चों की सीखने संबंधी कठिनाइयों को पहचानकर आवश्यक सहयोग प्रदान करना चाहिए। साथ ही अपार एवं एमबीयू पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बीआरसी विजय साहू ने ह्यसूर्योदय सूरजपुरह्न कार्यक्रम के क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग से संबंधित बिंदुओं पर जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय स्तर पर निर्धारित गतिविधियों का नियमित संचालन, उनकी प्रगति का संधारण तथा समय-समय पर समीक्षा आवश्यक है। उन्होंने प्रधान पाठकों से अपेक्षा की कि वे स्वयं विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों की निगरानी करें और शिक्षकों के साथ समन्वय बनाकर कार्यक्रम को प्रभावी रूप से संचालित करें। कार्यशाला में इस बात पर भी जोर दिया गया कि शैक्षिक गुणवत्ता सुधार एक सामूहिक जिम्मेदारी है। इसमें प्रधान पाठक, शिक्षक, विद्यार्थी एवं पालकों की सहभागिता महत्वपूर्ण है। विद्यालयों में सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण तैयार कर बच्चों को सीखने के अधिक अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है। अधिकारियों ने सभी प्रधान पाठकों से प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी को अपने-अपने विद्यालयों में प्रभावी रूप से लागू करने तथा कार्यक्रम की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

चिंतन

आतंकवाद के खिलाफ और सतर्कता जरूरी

कश्मीर घाटी में आतंकवाद एक बार फिर चुनौती दे रहा है। इसका चेहरा तेजी से बदल रहा है। अब दुश्मन केवल सीमा पार से घुसपैठ कर हमला नहीं करता, बल्कि देश के भीतर स्लीपर सेल भी तैयार करता है, स्थानीय मददगारों के जरिये साजिशों को अंजाम देता है और ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीक से सुरक्षा तंत्र को चुनौती देता है। साइबर नेटवर्क, एआई और मानवरहित हथियारों ने आतंकवाद के खतरे को और जटिल बना दिया है। सवाल है कि जब आतंक के तौर-तरीके इतने बदल रहे हैं तो हमारी सुरक्षा रणनीति कितनी बदली है? कुलगाम में सीआरपीएफ जवानों पर हमला और एलओसी पर पाकिस्तान की एंटी-ड्रोन तैनाती इसी बदलती चुनौती के संकेत हैं। ऐसे में आतंकवाद के खिलाफ और सतर्कता बरतनी होगी। हाल ही की घटना में जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सीआरपीएफ के अखरन कैंप में नाका ड्यूटी पर तैनात जवानों पर बाइक सवार हमलावरों की अंधाधुंध गोलीबारी इस बात का संकेत है कि आतंकियों के मंसूबे अभी कमजोर नहीं पड़े हैं। महज 15 सेकेंड में करीब 30 राउंड फायरिंग कर तीन जवानों को घायल करने के बाद हमलावरों का फरार हो जाना गंभीर चिंता का विषय है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब पाकिस्तान नियंत्रण रेखा के पार अपनी सैन्य तैयारियों को नए सिरे से धार देने में जुटा है। रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान ने एलओसी के सामने 50 से अधिक विशेष एंटी-ड्रोन यूनिट तैनात की हैं। नवंबर में ही 20 नई यूनिट शामिल किए जाने की सूचना है। इनका उद्देश्य भारतीय ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशन की निगरानी करना तथा उन्हें निष्क्रिय करना है। पाकिस्तान की इस तैयारी को केवल रक्षात्मक कदम मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कुलगाम की घटना और एलओसी के पार पाकिस्तान की सैन्य तैयारियों को अलग-अलग घटनाक्रम मानकर देखने के बजाय व्यापक सुरक्षा परिप्रेक्ष्य में समझने की जरूरत है। जम्मू-कश्मीर में वर्ष 2024 से अब तक 548 आतंकी घटनाएं होना और इनमें 45 जवानों का शहीद होना बताता है कि चुनौती कितनी गंभीर है। सुरक्षा बलों ने इस दौरान 138 आतंकियों को मार गिराया है, लेकिन आतंकवाद का नेटवर्क केवल आतंकियों को खत्म करने से समाप्त नहीं होता। पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद अपनी सैन्य रणनीति में ड्रोन को रक्षा और हमले, दोनों की पहली पंक्ति का हिस्सा बनाया जा रहा है। इसके लिए चीन और तुर्किये से आधुनिक तकनीक हासिल करने के साथ एआई और निगरानी प्रणालियों पर भी जोर दिया जा रहा है। ऐसे हालात में भारत को अपनी सुरक्षा रणनीति भी लगातार आधुनिक बनानी होगी। सीमा पर चौकसी, एंटी-ड्रोन प्रणाली, आधुनिक निगरानी उपकरण और खुफिया सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है। साथ ही, कुलगाम जैसे संवेदनशील इलाकों में तैनात जवानों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा होनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सुरक्षाबलों का मनोबल और आम नागरिकों का विश्वास बनाए रखना होगा। पाकिस्तान की बदलती सैन्य रणनीति और कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को देखते हुए किसी भी स्तर पर आत्मसंतुष्टि की गुंजाइश नहीं है। आतंकवाद के खिलाफ केवल जवाबी कार्रवाई नहीं, बल्कि ऐसी चौकस और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था चाहिए, जो दुश्मन के मंसूबों को हमला होने से पहले ही नाकाम कर दे। यही जवानों की सुरक्षा और देश की संप्रभुता की सबसे बड़ी गारंटी है।



आर्थिकी

प्रमोद भार्गव

दवा कारोबार में अनैतिकता पर अंकुश

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा महंगी दवाओं को 'डकैती करार' देने के बाद भारत सरकार, दवा निर्माता एवं विक्रेता चेते हैं। इसी का परिणाम है कि रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय द्वारा आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा है कि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने कैंसर के उपचार में दी जाने वाली 137 प्रकार की दवाओं पर व्यापारिक लाभ का अंतर तय कर दिया है। सरकार के इस ऐतिहासिक फैसले से रोगियों को हर साल अनुमानित 3502.31 करोड़ रुपये की बचत होगी। वस्तुतः कैंसर के गरीब मरीजों को भी बड़ी राहत मिल जाएगी। अततः यह कठोर निर्णय दवा उत्पादक फार्मेसियों की अनैतिक मार्केटिंग पर सर्वोच्च न्यायालय कड़ी निगरानी रखने की लगातार दी गई चेतावनियों के चलते संभव हुआ है।

> सर्वोच्च न्यायालय द्वारा महंगी दवाओं को 'डकैती करार' देने के बाद भारत सरकार, दवा निर्माता एवं विक्रेता चेते हैं। इसी का परिणाम है कि रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय द्वारा आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा है कि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने कैंसर के उपचार में दी जाने वाली 137 प्रकार की दवाओं पर व्यापारिक लाभ का अंतर तय कर दिया है। सरकार के इस ऐतिहासिक फैसले से रोगियों को हर साल अनुमानित 3502.31 करोड़ रुपये की बचत होगी। वस्तुतः कैंसर के गरीब मरीजों को भी बड़ी राहत मिल जाएगी। अततः यह कठोर निर्णय दवा उत्पादक फार्मेसियों की अनैतिक मार्केटिंग पर सर्वोच्च न्यायालय कड़ी निगरानी रखने की लगातार दी गई चेतावनियों के चलते संभव हुआ है।

दवाओं की कीमतें घटाने का यह फैसला स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के तहत गठित की गई विशेषज्ञ समिति की 17 अक्टूबर 2026 को आई सिफारिश के बाद लिया है। डीजीएचएस के बयान के अनुसार अब तक 76 दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1225 सूत्रीकरण (फॉर्मूलेशन) के लिए नए अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) जमा किए हैं। 1225 में से 1031 फॉर्मूलेशन की कीमतों में भारी कटौती की गई है। करीब 600 ब्रांड की दवाओं की कीमत में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई है। सबसे ज्यादा कटौती 96.45 प्रतिशत की गई है। वस्तुतः अब कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कई असरकारी दवाओं की कीमतों में भारी कमी स्पष्ट दिख रही है। आरपीजी लाइफ साइंसेज की स्तन कैंसर के उपचार में इस्तेमाल होने वाली कैप्सूल 'पैल्बोप्रो' (पैल्बोसिक्लिब 125 मिलीग्राम) की कीमत 40,421.33 रुपये से घटकर मात्र 2720 रुपये रह गई है। इसी तरह अरविंदेयर फार्मा की प्रोस्टेट कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली टेबलेट एबीरोन (एबिराटेरॉन एसीटेट 250 मिलीग्राम) का मूल्य 41,250 रुपये से घटकर 3218.23 रुपये निर्धारित कर दिया है। यह भारी अंतर सभी दवाओं पर दिखाई दे रहा। सर्वोच्च न्यायालय ने कैंसर की दवाओं की एमआरपी और सरकारी खरीद मूल्य के बीच बड़े अंतर को अजूबा करार दिया था। यह अंतर 10 गुना से भी ज्यादा था। 2700 रुपये की खुदरा बिक्री वाली कैंसर की दवा पर एमआरपी 27,000 रुपये अंकित होने पर इसे न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और संदीप मेहता की पीठ ने पहले तो 'दिन-दहाड़े' डकैती कहा और फिर 29 सितंबर 2026 को की गई सुनवाई में इस भारी अंतर को दो टूक शब्दों में 'कल्लेआम' यानी 'सामूहिक-संहार' तक कहने में संकोच नहीं किया था। दवा कारोबारी, निजी अस्पतालों और सरकारी अस्पतालों में दवाओं की खरीद करने वाले जिम्मेदारों के लिए इससे तीखी टिप्पणी, दूसरी कोई हो नहीं सकती? अदालत ने यह सवाल भी खड़ा किया था। कि आखिर 'इतना पैसा कहां जा रहा है और फायदा किसे हो रहा है? 'यह टिप्पणी सीधे-सीधे दवा उत्पादक, निजी अस्पतालों के मालिक एवं चिकित्सक तथा सरकारी खरीद में लिप्त जिम्मेदारों का अमानवीय चेहरा सामने लाती है। 137 दवाओं की दरें निर्धारित हो जाने से साफ हो गया है कि बड़ा घालमेल दवा उद्योग में चल रहा है। इस घालमेल पर अंकुश लगाने की दृष्टि से ही न्यायालय द्वारा 8 अक्टूबर 2026 को दिए एक आदेश के बाद केंद्र सरकार ने फार्मा



कंपनियों की कारोबारी गतिविधियों, तौर-तरीकों की समीक्षा और निगरानी के लिए नीति आयोग के सदस्य डॉ एम श्रीनिवास की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की हुई है। समिति को कंपनियों द्वारा दवा के अनैतिक कारोबार को बढ़ावा देने वाले उपायों की असरकारी समीक्षा का दायित्व दिया गया था। इन उपायों में चिकित्सकों को दिए जाने वाले प्रलोभनों की भी समीक्षा शामिल है। अदालत में इसी परिप्रेक्ष्य में 'फेडरेशन ऑफ मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन ऑफ इंडिया' की भी एक याचिका लंबित है। इसमें अनुरोध किया है कि प्रभावी कानून बनने तक फार्मा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर फॉर्मूलेशन और नियमन के लिए दिशा-निर्देश भी तय कर दिए जाएं ताकि मौजूदा व्यवस्था में जो बड़ी असामानता है, वह दूर हो सके? इसके अंतर्गत ऐसे प्रलोभन स्वीकार करने वाले चिकित्सकों के लिए कार्यवाही का प्रविधान तो है, लेकिन उन्हें प्रलोभन देने वाली दवा कंपनियों को नियंत्रित या दंडित करने के लिए समान वैधानिक व्यवस्था नहीं है। अतएव कंपनियां अपने उत्पादों के प्रचार के लिए चिकित्सकों को महंगे उपहार और सेमिनार के बहाने देश-विदेश की पंचतारा हवाई यात्राएं अपने खर्चे पर कराती हैं। अततः इसका असर रोगी पर पड़ता है और वे महंगी दवाएं खरीदने के लिए लाचार बने रहते हैं। इस समिति की रिपोर्ट अभी आनी है। सस्ती हुई 137 दवाओं में जो अंतर देखने में आया है, उससे साफ है कि दवाएं आम आदमी की पहुंच से जानबूझकर धन कमाने की हवस के चलते बाहर की जा रही हैं। सस्ती हुई दवाओं के अंतर ने तय कर दिया है कि दवा महंगी होने का कारण दवा में लगने वाली सामग्री का महंगा होना नहीं है, बल्कि दवा कंपनियों का मुनाफे की हवस में बदल जाना है। इस लालच के चलते कंपनियां राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के नियमों का भी पालन नहीं करती हैं। नियमों के मुताबिक दवाओं की कीमत लागत से मात्र सौ गुनी ज्यादा रख सकते हैं। लेकिन दवाओं की कीमत 1023 फीसदी तक ज्यादा वसूली जा रही है। यहां तक की नामी-गिरामी दवा कंपनियां भी दो सौ से पांच सौ गुना ज्यादा कीमत अपने दवा उत्पादों की रख रही हैं। दवा कंपनियों ने सरकार द्वारा दी उत्पाद शुल्क में छूट का लाभ तो पूरा लिया, लेकिन दवाओं की कीमतों में कटौती नहीं की। इस तरह से सरकार और ग्राहकों को करोड़ों रुपये का चूना लगाया जा रहा है। चिकित्सकों को महंगे उपहार देकर रोगियों के लिए महंगी और गैर जरूरी दवाएं लिखवाने का प्रचलन लाभ का धंधा हो गया है। बेमतलब की अनेक जांचें भी केवल मुनाफे के लिए कराई जा रही हैं। दरअसल, वर्तमान में दवा कारोबार मुनाफे की हवस की गिरफ्त में तो है ही, निजी चिकित्सालय उद्योग रोगी पैदा करने और रोगी बनाए रखने का काम भी कर रहे हैं। इसलिए चिकित्सकों पर ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि वे रोगी की सेवा के बनिस्बत दवा कारोबार की सेवा में लिप्त हैं। इसकी पुष्टि इस बात से होती है कि चिकित्सक ज्ञान तो निश्चित रूप से उच्च चिकित्सा संस्थानों से प्राप्त करते हैं, लेकिन चिकित्सक बनने के बाद उनके इस ज्ञान का अपहरण दवा उद्योग कर लेते हैं। अतएव ज्यादातर डॉक्टर पर्चे में वहीं दवा लिखते हैं, जो उन्हें दवा कंपनियों के एमआर समझाते हैं और कमीशन के साथ उपहार देते हैं। जबकि चिकित्सा का पेशा जीवन रक्षा का धंधा है। वह मनुष्यता की संवेदना और मर्म की सुरक्षा का नैतिक व्यवसाय है। एक लाचार मरीज चिकित्सक के पास स्वास्थ्य लाभ लेने की उम्मीद से जाता है, न कि दवा उद्योग के लालच को बढ़ावा देने की दृष्टि से? किंतु पैसा कमाने की अनैतिक होड़ का ही परिणाम है कि रोगी अब चिकित्सक को धरती का भगवान मानने से मुकर रहा है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं। उनके आलेख प्रकाशित होते हैं।)

विश्व निमोनिया दिवस

बाल मुकुन्द ओझा



केवल दवाओं की उपलब्धता ही पर्याप्त नहीं, रहें अलर्ट

विश्व निमोनिया दिवस हर साल 12 नवम्बर को लोगों को निमोनिया जैसी गंभीर सांस संबंधी बीमारी के प्रति जागरूक करना, इसके लक्षणों को पहचानने, समय पर इलाज कराने और बीमारी से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी देने के लिए मनाया जाता है। इस साल, 2026 में, विश्व निमोनिया दिवस की थीम निमोनिया नियंत्रण का एक नया युग रखी गई है। यह थीम निमोनिया से होने वाली उन मौतों को कम करने में टीकों, जांच के साधनों और इलाज के तरीकों में हुई प्रगति के महत्व को उजागर करती है, जिन्हें रोका जा सकता है। यह जीवन बचाने वाले इन उपायों तक समान पहुंच की वकालत करती है, खासकर उन बच्चों और वंचित समुदायों के लिए जो अधिक जोखिम में हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल 5 साल से कम उम्र के 14 लाख बच्चों की मौत निमोनिया के कारण होती है। यह दुनिया भर में 5 साल से कम उम्र के बच्चों की कुल मौतों का 18 प्रतिशत है। यूनिसेफ के अनुसार, हर 39 सेकंड में एक बच्चे की मौत निमोनिया से होती है।

अनुमान है कि 50 साल से अधिक उम्र के वयस्कों में निमोनिया से होने वाली 16 लाख मौतें, वायु प्रदूषण और धूम्रपान के कारण होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, निमोनिया आज भी बच्चों में संक्रामक बीमारी से होने वाली मौतों का एक बड़ा कारण है। इस अवसर पर दुनियाभर में निमोनिया के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए अभियान चलाए जाते हैं। खासतौर पर बच्चों में निमोनिया की रोकथाम को प्राथमिकता दी जाती है, क्योंकि पांच साल से कम उम्र के बच्चे इस बीमारी के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। द लैंसेट पत्रिका में प्रकाशित अध्ययनों के अनुसार भारत में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की लगभग 14 से 26 फीसदी मौतें निमोनिया के कारण होती हैं। देश में इस आयु वर्ग के लगभग 14.9 फीसदी बच्चों की मौत का कारण निमोनिया है। कुछ आंकड़ों में यह अनुपात 18 फीसदी तक पाया गया है। यह आंकड़े वास्तव में चिंताजनक हैं। भारत में मौसम बदलते ही बीमारियों का खतरा मंडराने लगता है। इनमें निमोनिया प्रमुख है। अस्पतालों में लम्बी लम्बी कतारें लग जाती हैं। इस समय गर्मी के विदाई का वक्त है। सर्दी की आहट के साथ ही बच्चे से बुजुर्ग तक को अपनी सेहत की चिंता सताने लगती है। इस समय मौसम भी अजब-गजब है। कहीं पंखे चल रहे हैं तो कहीं एयर कंडीशनर भी। लोगों ने गर्म कपडे निकाल लिए है। पंखा आदि चलाकर कम्बल का उपयोग करते देखा जा सकता है। दिवाली पर प्रदूषण की मार भी लोग झेल रहे है। इसी बीच सर्दियों का मौसम शुरू होते ही सर्दी, खांसी, जुकाम, गले में खराश और बुखार जैसी अनचाही बीमारियां बढ़ने लगी हैं। सर्द मौसम में निमोनिया का खतरा भी चिंता का विषय बन जाता है। निमोनिया फेफड़ों में होने वाला संक्रमण है, जिसके कारण फेफड़ों की छोटी वायु थैलियों में सूजन आ सकती है और उनमें तरल पदार्थ या मवाद भर सकता है। इससे मरीज को सांस लेने में परेशानी होने लगती है।



खासतौर पर छोटे बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को इस बीमारी से अधिक सतर्क रहने की जरूरत होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक निमोनिया से निपटने के लिए केवल दवाओं की उपलब्धता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि टीकाकरण, शुरुआती पहचान, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और जरूरत पड़ने पर ऑक्सीजन की उपलब्धता भी जरूरी है। निमोनिया कोई छोटी-मोटी बीमारी नहीं है। निमोनिया फेफड़ों में असाधारण तौर पर सूजन आने के कारण होता है। इसमें फेफड़ों में पानी भी भर जाता है। आमतौर पर निमोनिया कई कारणों से होता है जिनमें प्रमुख हैं बैक्टीरिया, वायरस, फंगी या अन्य कुछ परजीवी। इनके अलावा कुछ रसायनों और फेफड़ों पर लगी चोट के कारण भी निमोनिया होता है। बैक्टीरिया जनित निमोनिया दो से चार सप्ताह में ठीक हो सकता है। इसके विपरीत वायरल जनित निमोनिया ठीक होने में अधिक समय लेता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

संकलित दर्शन

पूजा वह है, जो परिपूर्णता से उत्पन्न हो



यजमान को देश-काल के सातत्य में उसके जन्म के नक्षत्र, जन्म राशि, पैतृक वंश, गोत्र, पूरा नाम, पिता का नाम आदि द्वारा भी परिभाषित किया जाता है। इसके बाद यजमान द्वारा संकल्प लिया जाता है। वस्तुतः संकल्प कभी लिया नहीं जाता, बल्कि उसे छोड़ दिया जाता है या भगवान के चरणों में समर्पण कर दिया जाता है। जब यजमान पूर्ण विश्वास के साथ अपना संकल्प देवत्व के चरणों में छोड़ देता है कि जो भी उसके लिए सही होगा, वह अवश्य होगा, वह पूजा में बैठने के योग्य हो जाता है। पूजा वह है, जो परिपूर्णता से उत्पन्न होती है। जब आप अपनी सभी इच्छाओं, सभी परेशानियों और शिकायतों को दिव्यता के चरणों में छोड़ देते हैं, तभी आप परिपूर्ण प्रतीत कर सकते हैं। तभी आप पूजा में बैठने लायक बन सकेंगे। तभी आप पूजा का हिस्सा बन सकते हैं। रुद्र पूजा में शिव-तत्व का उसकी पूरी भव्यता के साथ आह्वान किया जाता है। भक्त मंत्रों की तरंगों में डूब जाते हैं। मन ध्यान की अवस्था में पहुंच जाता है। संपूर्ण वातावरण शिव-तत्व से आवेशित हो जाता है। भक्त शिव-तत्व के साथ एक हो जाते हैं। शिव वह परोपकारी ऊर्जा हैं, जो परिवर्तन करती है और बाधाओं को दूर करती है। संकल्प आसानी से सर्वव्यापी दिव्यता तक संप्रेषित हो जाते हैं और उस सर्वव्यापी, सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान दिव्यता के लिए कुछ भी असंभव नहीं है। सभी हितकारी मनोरथ फलदायी होते हैं। सारी बाधाएं दूर हो जाती हैं। जीवन गतिमान होता है।

संकलित प्रेरणा

जब मन अशांत हो, अपने इष्टदेव का जप करें



शुकदेव राजा परीक्षित को कथा सुना रहे थे, उस समय राजा ने पूछा कि आजकल लोग इतने बेचैन क्यों हैं? लोगों का मन अशांत क्यों है? शुकदेव ने राजा को एक कथा सुनाई कि एक दिन पृथ्वी ने भी भगवान से यही बात पूछी था। पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये लोग जो खुद मौत के खिलौने हैं। ये सभी मुझे यानी धरती, राज्य जीतना चाहते हैं। अभी तक मुझे यानी धरती को कोई भी मृत्यु के बाद अपने साथ ऊपर नहीं ले जा सका है। लोग ये बात क्यों नहीं समझते हैं? शुकदेव ने राजा से कहा कि पृथ्वी ने ये सभी बातें भगवान से इसलिए कहीं थीं, कि धरती पर जो धन-संपत्ति है, वही सारे झगड़ों की जड़ है। सभी चाहते हैं कि मेरे पास दूसरों से ज्यादा वैभव हो, सभी इसी में लगे हुए हैं। जिस दिन इस दुनिया से जाएंगे, सब कुछ यहीं रह जाएगा। परीक्षित ने शुकदेव की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आजकल इतनी अशांति है तो शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? शुकदेव ने कहा कि जब भी हमारा मन अशांत हो, हमें भगवान के नामों का जप करना चाहिए, ध्यान, पूजा-पाठ करना चाहिए। अपने इष्टदेव के नामों का जप करने से नकारात्मकता दूर होती है, मन शांत होता है। मंत्र जप से शरीर में जो परिवर्तन होते हैं, उनसे मन शांत होता है।





अंतर्मन



आज की पाती

एथेनॉल की खूबियों के बावजूद चिंताएं बरकरार

देश में पेट्रोल के विकल्प के रूप में एथेनॉल के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक और कदम उठाया है, जबकि देश में एथेनॉल को लेकर पूर्व में हंगामा भी बहुत हुआ था। हिहाजा, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने ई-100 ईथेनल से चलने वाले वाहनों को अनुमति देने के लिए मोटर वाहन नियमों में बदलाव की अधिसूचना जारी की है। यह फैसला भारत की ऊर्जा जरूरतों, पर्यावरण संरक्षण और विदेशी तेल पर निर्भरता कम करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। हालांकि, इस नई व्यवस्था को केवल हरित क्रांति के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके साथ वाहनधारकों की आर्थिक स्थिति, वाहनों की तकनीकी क्षमता, ईंधन की उपलब्धता और रखरखाव से जुड़ी चुनौतियों को भी समझना जरूरी है। - रामिकरण, रोहतास

ट्रेंड

शतरंज में शतक

भारत ने शतरंज में शतक लगा दिया है! 90वें शतरंज वीडकास्टर बनने पर अंजुम श्रीवर्षा को बधाई! यह वाकई एक शानदार उपलब्धि है। यह हमारे खिलाड़ियों की असाधारण प्रतिभा, लगन और कड़ी मेहनत को दर्शाता है। - नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री



उत्पादन का रिकॉर्ड

भारत ने उत्पादन के कई रिकॉर्ड तोड़े हैं। चावल के उत्पादन में हम दुनिया में पहले नंबर पर आ गए हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा प्याज उत्पादक देश भी बन गया है। आज, देश में रिकॉर्ड 377 मीट्रिक टन अनाज और 378 मीट्रिक टन फल व सब्जियों का उत्पादन हो रहा है।

- शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषिमंत्री



अत्यंत दुःखद

पाली में एक दुकान में लगी आग के धुएं से दम घुटने के कारण कांग्रेस पार्षद उषा पुनानिया, उनके पति प्रकाश पुनानिया और उनके बड़े भाई मोतन के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दे।

-अशोक लाहोटी, सांसद, राजस्थान



नई रामायण

नई रामायण देखी। इतने न तो कोई दिलदार दिखे और न ही अभिनय का भाव। कई महत्वपूर्ण दृश्य गायब हैं, और कई दृश्यों के संवादों में वह गहराई नहीं है जो ऐसी फिल्म में होनी चाहिए। रावण का किरदार महिमामंडित किया गया है।

- सुनील लहरी, अभिनेता





करंट अफेयर

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण बेलफास्ट में विशेष कार्यक्रम

'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उत्तरी आयरलैंड के बेलफास्ट स्थित भारतीय वाणिज्य महादूतावास में ब्रिटेन के विभिन्न हिस्सों के 60 से अधिक संगीतकारों ने एक विशेष संगीत कार्यक्रम पेश किया। बेलफास्ट स्थित टोकाटा म्यूजिकल्स प्रोडक्शंस के सहयोग से तैयार राष्ट्रगीत की यह संगीत प्रस्तुति पिछले सप्ताह ऑनलाइन जारी की गई। भारतीय वाणिज्य महादूतावास ने बताया कि इसमें शामिल संगीतकारों का भारत, उसकी संस्कृति, परंपराओं, आध्यात्मिकता और संगीत विरासत से व्यक्तिगत जुड़ाव है। ब्रिटेन के बेलफास्ट स्थित भारतीय वाणिज्य महादूतावास देश के नए वाणिज्य दूतावासों में से एक है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले साल मार्च में इसका उद्घाटन किया था। बेलफास्ट में भारत की महावाणिज्यदूत किरण खत्री ने कहा, 'बेलफास्ट में भारत के पहले महावाणिज्य दूतावास की स्थापना भारत और उत्तरी आयरलैंड के संबंधों में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह उत्तरी आयरलैंड के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करने और संस्कृति, शिक्षा, व्यापार तथा लोगों के बीच संपर्क के माध्यम से मजबूत संबंध बनाने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।' इस परियोजना में संगीतकारों ने 'वंदे मातरम' के सम्मान में स्वेच्छा से अपना समय दिया।

ऑफ बीट

वास्तविकता 'कम खाओ ज्यादा चलो' से अलग है

दशकों तक हमें बताया गया कि वजन कम करना केवल आत्म-नियंत्रण का मामला है : कम खाओ, ज्यादा चलो। लेकिन आधुनिक विज्ञान ने यह सिद्ध कर दिया है कि वास्तविकता इससे अलग है। हमारे पूर्वजों का असर हजारों साल पहले हमारे मानव पूर्वजों के लिए शरीर की चर्बी जीवन रेखा थी – बहुत कम चर्बी से भूखमरी का खतरा, बहुत अधिक चर्बी से धीमी गति का खतरा। समय के साथ, मानव शरीर ने ऊर्जा भंडारण की रक्षा करने के लिए जटिल जैविक रक्षा तंत्र विकसित किए, जो दिमाग में जुड़े थे। आज, जब भोजन हर जगह उपलब्ध है और शारीरिक गतिविधि वैकल्पिक है, तो वही तंत्र वजन घटाना मुश्किल बनाते हैं। जब कोई व्यक्ति वजन घटाता है, तो शरीर इसे जीवन पर खतरे के रूप में देखता है : भूख वाले हार्मोन बढ़ते हैं, खाने की लालसा बढ़ती है और ऊर्जा खर्च घटता है। यह तंत्र कभी भूख और भोजन की अनिश्चितता में जीवन बचाने के लिए विकसित हुआ था, लेकिन आज यह चुनौती बन गया है। हमारा दिमाग भी वजन की रक्षा के लिए शक्तिशाली तंत्र रखता है और यह पुराने वजन को "याद" रख सकता है। इसका मतलब है कि यदि शरीर कभी भारी रहा है, तो दिमाग बाद में उसे सामान्य मानकर उसकी रक्षा करता है।

न्यायालय तहसीलदार, पत्थलगांव, जिला-जशपुर(छ०ग०)
रा०मा०क०/अ-06 (अ)/2025-26
ग्राम-पालीडीह तह०-पत्थलगांव
ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम पंचायत, पालीडीह को सूचित किया जाता है, कि आवेदक रोहित साव पिता बुढा राम जाति परधनिया, निवासी ग्राम पालीडीह, तहसील-पत्थलगाव, जिला-जशपुर (छ०ग०) के द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत धारा-115 छ०ग०भू०रा०संहिता-1969 के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है. कि, ग्राम-पालीडीह, प०ह०नं० 09 रा०नि०म०/तहसील-पत्थलगांव जिला जशपुर (छ०ग०)स्थित भूमि ख०नं० 137/1, 383, 439/1 रकबा क्रमशः 0.1990, 0.6110, 0.4460 कुल ख०नं० 03 कुल रकबा 1.2560 हे० साम्लिात हक में दर्ज है। उक्त पर अनावेदकगण का नाम बिना किसी हक हकीयत के त्रुटिवश दर्ज कर दिया गया है। अतः आवेदित भूमि के राजस्व अभिलेखों पर से अनावेदकगण का नाम विलोपित किये जाने का निवेदन किया गया है। आवेदक ने आवेदन पत्र के वर्तमान बी-1, इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त अभिलेख दुरुस्ती/त्रुटि सुधार के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो वह स्वयं अथवा मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के मय दस्तावेज जो हो दिनांक 10.09.2026 तक अधोहस्ताक्षर कर्ता के न्यायालय में पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 02.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
पत्थलगांव जिला-जशपुर(छ०ग०)

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अब नए गठबंधन का ऐलान

ओवैसी-एएसपी ने बनाया 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा', चंद्रशेखर होंगे मुख्यमंत्री का चेहरा

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

गठबंधन का उद्देश्य दलित और मुस्लिम वोटों को एक मंच पर लाना

उत्तर प्रदेश में साल 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश की राजनीति में नए गठबंधन की घोषणा हो गई है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष एवं नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने हाथ मिला लिया है। दोनों नेताओं ने गुरुवार को लखनऊ में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपने गठबंधन का ऐलान किया। इस गठबंधन को 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' नाम दिया गया है। इस घोषणा के बाद प्रदेश की सियासत में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर नए राजनीतिक समीकरणों की चर्चा शुरू हो गई है। इस गठबंधन का मुख्य उद्देश्य दलित और मुस्लिम वोटों को एक मंच पर लाना तथा युवाओं, किसानों और कमजोर वर्गों के अधिकारों की आवाज उठाना है।माना जा रहा यह गठबंधन सपा के पीडीए समीकरण के सामने एक नई चुनौती पेश कर सकता है, जबकि विपक्षी दलों का आरोप है कि इससे भाजपा को चुनावी फायदा मिल सकता है।



सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ेगा मोर्चा

दोनों नेताओं ने बताया कि उनका मोर्चा उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ेगा। इसके साथ ही ओवैसी ने चंद्रशेखर को मोर्चे की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया। चंद्रशेखर और ओवैसी ने गठबंधन के जरिए प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कही है। दोनों दलों का कहना है कि वे मिलकर राजनीतिक भागीदारी, अधिकार और सामाजिक परिवर्तन के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएंगे।

चंद्रशेखर को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया

इस दौरान सबसे अहम बात यह रही कि ओवैसी ने चंद्रशेखर को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया। इस घोषणा के साथ ही सामाजिक परिवर्तन मोर्चे ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपना प्रमुख चेहरा भी सामने रख दिया है। हालांकि, इस गठबंधन को चुनाव में कितना समर्थन मिलता है, यह आने वाले समय में उम्मीदवारों के चयन और जनता के बीच पहुंच से साफ होगा। अब मोर्चा के गठन के बाद प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की संभावना है।

सभी जान रहे आजम किसकी वजह से जेल में हैं?अब्दुल बराबरी पर है: ओवैसी

ओवैसी ने कहा कि मोर्चा यूपी में मजबूत विकल्प होगा। हम बीजेपी को तीसरी बार आने से रोकेंगे। किसानो के मसले पर हम लड़ेंगे। हम राजनीति फ्यूचर के लिए करेंगे। अब्दुल मुद्दा बन गया है, अब्दुल दरी नही बिछा रहा है।अब्दुल बराबरी पर है, हम उसके साथ है। इसके अलावा चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि आजम खान किसकी वजह से जेल में हैं, सबको मालूम है. सिर्फ वोट के खातिर उनका इस्तेमाल हुआ। कोई उनकी लड़ाई नही लड़ा। 2012 के बाद से हमारे ऊपर अत्याचार हो रहा है। ये सरकार केवल व्यपारी की बात करती है हम सरकार बनाएं तब क्वालिटी शिक्षा देंगे। अस्पताल दुरस्त करेंगे, नौकरी देंगे।

कांग्रेस के मसूद बोले

हमें डेंट कर किसी और को फायदा...

इस गठबंधन को लेकर कांग्रेस पार्टी के नेता और सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद ने कहा कि राजनीति का अधिकार सभी को है, सब अपने तरीके से राजनीति भी करते हैं। जब उनसे सवाल किया गया कि क्या एसपीएम उनके गठबंधन को डेंट पहुंचाएगा, तो उन्होंने कहा कि डेंट होने से किसे फायदा होगा? किसी और को फायदा पहुंचाना चाहते तो हमें डेंट करके तो पहुंचा दीजिए।

गेल में आगमन से मिले शिवपाल



उनका लगातार उत्पीड़न हो रहा

सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव गुरुवार को गाजियाबाद जिला कारागार पहुंचे। उनकी यह यात्रा जिला कारागार में बंद पार्टी के कद्दावर नेता आजम खान से मुलाकात करने के लिए थी। शिवपाल यादव के आगमन पर सैकड़ों की संख्या में सपा के कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। यह स्वागत गाजियाबाद के वेदांता टोल प्लाजा पर किया गया था।

इनका मकसद भाजपा को हटाना नहीं है

इस गठबंधन को लेकर शिवपाल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ओवैसी और चंद्रशेखर भाजपा को सत्ता से नहीं हटाना चाहते हैं।

अभिषेक के आवास के बाहर चला बुलडोजर

फुटपाथ से हटाया गया अस्थायी ढांचा, गेट को कटर से काटा



एजेंसी ▶▶ कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद अभिषेक बनर्जी के कोलकाता स्थित आवास के बाहर बृहस्पतिवार को नगर निकाय ने बुलडोजर चलाकर फुटपाथ पर बना बांस का अस्थायी ढांचा हटा दिया। अधिकारियों ने पैदल यात्रियों की आवाजाही में कथित बाधा बन रहे लोहे के गेट को भी गैस कटर से काटकर हटा दिया। यह कार्रवाई बनर्जी के 121, कालीघाट रोड स्थित आवास के बाहर भारी पुलिस बल की मौजूदगी में की गई। इस दौरान कोलकाता पुलिस और केंद्रीय बलों के जवान तैनात थे। नगर निकाय के कर्मचारियों ने पहले बुलडोजर से ढांचे को गिराया और फिर बांस के खंभे हटाकर फुटपाथ खाली कराया। बनर्जी ने कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बुलडोजर उनकी आवाज को दबा नहीं सकते और न ही उनका संकल्प तोड़ सकते हैं।

अभिषेक बोले लड़ाई जारी रहेगी

अभिषेक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मैं 'बांग्ला विरोधियों' के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखूंगा। मैं अपनी आखिरी सांस तक न तो पीछे हटूंगा और न ही एक इंच पीछे खिसकूंगा।पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री दिलीप घोष ने नगर निकाय की कार्रवाई का बचाव किया। घोष ने संवाददाताओं से कहा कि यह कार्रवाई उचित है, क्योंकि इलाके के लोगों को काफी परेशानी हो रही थी। अभिषेक खुद को कानून से ऊपर समझते थे। यह ढांचा विवाद का विषय बना हुआ था। टीएमसी का कहना था कि इसे पश्चिम बंगाल सुरक्षा निदेशालय ने बेनर्जी को जेड-प्लस सुरक्षा मिलने के दौरान उनकी सुरक्षा में तैनात कर्मियों के लिए बनवाया था। पार्टी ने इसे सांसद द्वारा कराया गया अनधिकृत निर्माण मानने से इनकार किया था।

अभिषेक ने ईसी को लिखी चिट्ठी

मेरी और मेरे घर-ऑफिस की निगरानी हो रही

अभिषेक ने पार्टी से जुड़े विवाद पर चुनाव आयोग में चल रही सुनवाई के बीच दस्तावेजों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने चुनाव आयोग को प्रतिनिधित्व भेजकर अपने आवास-कम-दफ्तर पर निगरानी रखे जाने और वहां दोबारा हमला होने की आशंका जताई है। अभिषेक का दावा है कि भाजपा से जुड़े लोग कुछ पुलिसकर्मियों के समर्थन और मदद से चुनाव आयोग में पेश किए जाने वाले दस्तावेजों और हलफनामों को जबरन अपने कब्जे में लेने की कोशिश कर सकते हैं।

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिवकुमार सिंह आ० स्व० केश्वर सिंह, आयु लगभग 50 वर्ष, निवासी ग्राम खम्हरिया, थाना उदयपुर, तहसील उदयपुर, जिला सरगुजा, छत्तीसगढ़ द्वारा अपने नाबालिग पुत्र महेन्द्रपाल सिंह, जन्म दिनांक 21.09.2009 का जन्म पंजीयन विलंब से कराये जाने हेतु जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969 की धारा 13(3-अ) के अंतर्गत माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०) (श्री गुलाफल राम यादव) के न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 08/12/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

किसानों की समृद्धि से ही मजबूत होगा देश का भविष्य, एक दशक में कृषि विकास दर 4 फीसदी से अधिक रही

विकसित भारत के निर्माण में कृषि विकास, आधुनिक खेती और किसान सशक्तीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका: प्रधानमंत्री मोदी

▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में कृषि विकास, आधुनिक एवं स्मार्ट खेती और किसानों का सशक्तीकरण सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कृषि केवल भारत की अर्थव्यवस्था का आधार नहीं है, बल्कि यह देश की संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा भी है। किसानों की समृद्धि और कृषि क्षेत्र की मजबूती के बिना विकसित भारत की कल्पना पूरी नहीं हो सकती।

प्रधानमंत्री गुरुवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'किसान तक भारत एग्रीकल्चर कॉन्क्लेव' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में कृषि और त्योहारों का गहरा संबंध रहा है। देश के अधिकांश त्योहार किसी न किसी रूप में खेती, फसल, प्रकृति और किसानों के जीवन से जुड़े हुए हैं। ऐसे समय में इस सम्मेलन का आयोजन हो रहा है, जब देशभर में त्योहारों का उत्साह है। यह भारतीय समाज में कृषि की सांस्कृतिक और सामाजिक महत्ता को भी दर्शाता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में देश की कृषि विकास दर चार प्रतिशत से अधिक रही है। आजादी के बाद यह पहला ऐसा दशक है, जब देश के कृषि क्षेत्र ने लगातार इतनी मजबूत विकास दर हासिल की है। उन्होंने इस उपलब्धि को कृषि क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलावों और किसानों की मेहनत का परिणाम बताया।

उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने के लिए पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार को अपनाना आवश्यक है। खेती को अधिक उत्पादक, लाभकारी और टिकाऊ बनाने के लिए किसानों को नई तकनीकों से जोड़ना होगा। स्मार्ट फार्मिंग और कृषि क्षेत्र में आधुनिक समाधानों का इस्तेमाल भविष्य की जरूरत है।

प्रधानमंत्री ने सम्मेलन के आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह का आयोजन कृषि क्षेत्र में सकारात्मक पहल है। उन्होंने इसे किसानों, वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के बीच संवाद तथा अनुभवों के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच बताया। दो दिवसीय इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से करीब 2,000 किसान हिस्सा ले रहे हैं। इनके अलावा नीति निर्माता, राजनयिक, कृषि उद्योग से जुड़े प्रमुख प्रतिनिधि और कृषि वैज्ञानिक भी शामिल हो रहे हैं। सम्मेलन का उद्देश्य कृषि क्षेत्र की चुनौतियों, संभावनाओं और भविष्य की जरूरतों पर व्यापक विचार-विमर्श करना है।

सम्मेलन में लगभग 20 प्रगतिशील किसान और पद्मश्री सम्मान से सम्मानित हस्तियां अपने अनुभव साझा करेंगी। ये किसान खेती में किए गए नवाचारों, आधुनिक कृषि पद्धतियों, विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष और अपनी सफलता की कहानियों के माध्यम से अन्य किसानों को प्रेरित करेंगे। सम्मेलन में कृषि क्षेत्र में नई संभावनाओं, किसानों की आय और उत्पादकता बढ़ाने, आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल तथा कृषि को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने जैसे विषयों पर चर्चा होने की उम्मीद है।प्रधानमंत्री का संदेश स्पष्ट है कि कृषि को केवल परंपरागत व्यवसाय के रूप में नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार से जुड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में विकसित करना होगा। किसानों की भागीदारी, उनकी क्षमताओं का विकास और कृषि क्षेत्र में नए प्रयोग ही विकसित भारत की मजबूत नींव तैयार करेंगे।

टेक ऑफ के दौरान रनवे से फिसल विमान पायलट सभी सभी सुरक्षित

एजेंसी ▶▶ सोलापुर

महाराष्ट्र के सोलापुर एयरपोर्ट पर गुरुवार को एक बड़ा हादसा टल गया, जब टेक-ऑफ के दौरान एक ट्रेनिंग विमान रनवे से फिसल गया। यह घटना तब हुई जब ट्रेनी पायलट विमान को टेक-ऑफ कराने की कोशिश कर रहा था, जिससे विमान रनवे से बाहर हो गया। पायलट को कोई चोट नहीं आई है। विमान में कितने लोग सवार थे, पता नहीं चल पाया है। विमान आगे की ओर झुका हुआ दिखाई दे रहा है, जिसका अगला हिस्सा जमीन को छू रहा है। ये विमान एक महिला ट्रेनी पायलट उड़ा रही थी।



न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा(छ०ग०)
रा०प्र०क०-/ब-121/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामेश्वर लाल आ०स्व० रामस्वरूप राम निवासी ग्राम इमलीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम ममनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 2/421, 2/422, 2/423 रकबा 0.007, 0.007, 0.008 हे० भूमि को अनावेदक निशान्त लाल आ रामेश्वर लाल निवासी इमलीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के पास दान करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-26.11.26 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक:- 06/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका हरिराम मुखर्जी आ०/पति श्रीनाथ चन्द्र मुखर्जी जाति, निवासी बाबूपारा, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-सदर रोड़, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2727/1. 2866/1 रकबा 0.09, 1753.15 एकड़, वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-26.11.26 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक:- 12.11.26 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सुनील कुमार आ०/पति सत्यनारायण अग्रवाल जाति, निवासी सेठ बसंतलाल मार्ग अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-ब्रम्हरोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 901/5, 902/4 रकबा 0.031/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-26.11.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक:- 12.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क०-/अ-20(1)/2026-27
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक एन्ड्रेन्यु सुपरमार्टस अधिकृत केयर लिमिटेड, अंजनेय, हीरानंदानी फाउंडेशन स्कूल के सामने पवई मुंबई महाराष्ट्र की ओर से ऑफ सूर्यकांत वर्मा, निवासी हाउ (रीलव्हड्रर टंल्लीर इ०४८ पैनोरमा बोरिया खुर्द, रायपुर छ०ग० के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के द्वारा अनावेदक अमित अग्रवाल आ० विजय कुमार अग्रवाल के स्वामित्व्या अधिपत्य की नगर अ०पुर, मोहल्ला नमनाकला शीट नं. 13 स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 483/3 रकबा 5445 वर्गफीट भूमि में से रकबा 4282 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 21.10.2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा क्रयशुदा भूमि का नामांतरण स्वयं के नाम से किये जाने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अनन्तर धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/ आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-30/11/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 13/11/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार सोनहत, जिला कोरिया (छ.ग.)
राजस्व प्रकरण क्रमांक /ब-121/2025-26
ईश्तहार
ग्राम-मधला

सर्वसाधारण ग्रामीण जनता ग्राम मधला प०ह०नं० 12 राजस्व निरीक्षक मण्डल कटगोड़ी तहसील सोनहत जिला कोरिया (छग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक समस्तग्रामवासी नंदकुमार, रामलखन चौधरी वगै. ग्राम मधला स्थित भूमि खसरा नंबर 624 रकबा 4.21 हे0 भूमि शासकीय मद राजस्व अभिलेख मे दर्ज है। ग्रामवासी ग्राम पंचायत मधला के द्वारा सूर्यवंशी समाज हेतु समशान घाट के लिए भूमि आबंटित किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ खसरा, नक्शा, ग्राम सभा प्रस्ताव की छायाप्रति तथा हल्का पटवारी प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः किसी कोई हितबद्ध पक्षकार को भूमि आबंटन करने के संबंध मे आपत्ति/दावा प्रस्तुत करना चाहते है तो दिनांक 18.11.2026 तक अपना आपत्ति/दावा इस न्यायालय मे प्रस्तुत कर सकते है। बाद मे प्राप्त आपत्ति/दावा पर किसी भी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

उक्त ईश्तहार आज दिनांक 23.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

तहसीलदार
सोनहत

पराली जलाने पर 30 हजार तक जुर्माना

अमेठी, पराली जलाने पर किसानों को 30 हजार रुपए तक जुमार्ना देना पड़ सकता है। किसान सम्मान निधि समेत सरकारी योजनाओं का लाभ भी रोका जा सकता है। किसानों को जागरूक करने के लिए डीएम शशांक चौधरी ने कलेक्ट्रेट से प्रचार वाहन रवाना किए। ये वाहन जिले के सभी विकासखंडों और गांवों में जाकर पराली के सही इस्तेमाल, फसल अवशेषों के प्रबंधन और पराली जलाने से होने वाले नुकसान की जानकारी देंगे। यह अभियान फसल अवशेषों के खेत में ही प्रबंधन की योजना के तहत चलाया जा रहा है। डीएम ने किसानों से फसल कटाई के बाद पराली और अन्य फसल अवशेष नहीं जलाने की अपील की। सूक्ष्म जीव व प्राकृतिक पोषक तत्व नष्ट उन्होंने कहा कि पराली जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है और मिट्टी के लाभकारी सूक्ष्म जीव व प्राकृतिक पोषक तत्व नष्ट होते हैं। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति घटती है। उन्होंने किसानों से कृषि यंत्रों की मदद से पराली को मिट्टी में मिलाने या बायो डीकम्पोजर से खेत में ही गलाने को कहा।

कार्यालय नगरपालिका परिषद् पत्थलगांव,
जिला-जशपुर(छ.ग.)
प.क्र.537/लो.नि.शा./न.पा./2026-27 पत्थलगांव, दिनांक- 13/11/2026

-: ई-प्रोक्यूरमेंट प्रथम निविदा सूचना :-

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से 15वें वित्त आयोग मद अन्तर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	सिस्टम टेण्डर क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि (रूपए लाख में)	अमानत राशि (EMD)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
01	203884	वार्ड क्र.-01, 05, 06, 07, 09, 12 मे सीसी रोड़ निर्माण कार्य।	27.56	21,000.00	04/12/2026
02	203888	वार्ड क्र.-08, 13, 15 में सीसी रोड़ निर्माण कार्य।	14.48	11,000.00	04/12/2026
03	203894	वार्ड क्र.-11, 10, 14, 02 में आरसीसी नाली निर्माण कार्य।	30.49	23,000.00	04/12/2026
04	203908	वार्ड क्रमांक-04, 05, 10, 11, 13 वार्डों में बोर खनन एवं पाईप लाईन विस्तार कार्य।	13.28	10,000.00	04/12/2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल https://uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है एवं कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण शाखा नगरपालिका परिषद् पत्थलगांव से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी,
नगरपालिका परिषद् पत्थलगांव
जिला-जशपुर(छ.ग.)

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर 15 नवंबर को धरमजयगढ़ में होगा राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

राज्यसभा सांसद नितिन नवीन होंगे मुख्य अतिथि, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने दशहरा मैदान पहुंचकर तैयारियों का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

रायपुर। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ स्थित दशहरा मैदान में राज्य स्तरीय समारोह का भव्य आयोजन होगा। समारोह में विभिन्न जनजाति समाजों के 50 हजार से अधिक लोग सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्री नितिन नवीन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।समारोह की तैयारियों का जायजा लेने वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी आज धरमजयगढ़ के दशहरा मैदान पहुंचे। उन्होंने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर मंच निर्माण, बैठक व्यवस्था, बैरिकेडिंग, आवागमन, सुरक्षा, पार्किंग और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि समारोह में शामिल होने वाले अतिथियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूरी की जाएं। उन्होंने आयोजन स्थल पर स्वच्छता, पेयजल, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।इस दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने विभिन्न विभागों द्वारा तैयार किए जा रहे प्रदर्शनी स्टॉलों की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी को इस तरह तैयार किया जाए, जिससे आम नागरिकों के साथ युवा पीढ़ी को जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराओं, उपलब्धियों और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी मिल सके।

जनजातीय विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भावना के अनुरूप मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार जनजातीय इतिहास, संस्कृति और परंपरागत ज्ञान को नई पीढ़ी तक पहुंचा रही है।उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस केवल



स्मृति दिवस नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम के गौरवशाली अध्यायों को याद करने का अवसर है। बिरसा मुंडा के साथ ही वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर जैसे नायकों का बलिदान आज भी प्रेरणा देता है।

प्रदर्शनी में दिखेगी विकास की तस्वीर

समारोह में विभिन्न विभागों के स्टॉलों से शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, कृषि, महिला सशक्तिकरण और रोजगार के कार्यों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की सफलता भी प्रदर्शित होगी।बस्तर से सरगुजा तक की सांस्कृतिक विविधता प्रदेश की अमूल्य धरोहर है।गौरव सप्ताह से इसके संरक्षण और नई पीढ़ी तक हस्तांतरण का संदेश जाएगा। भगवान बिरसा मुंडा महान जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, समाज सुधारक और आदिवासी समाज के जननायक थे। उनका जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के उलिहातु गांव में हुआ था। आदिवासी समाज उन्हें धरती आबा अर्थात धरती का पिता कहकर सम्मान देता है।उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत और जमींदारी व्यवस्था के विरुद्ध समाज को संगठित कर जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा के लिए महाविद्रोह का बिगुल फूंका। उन्होंने समाज को कुरीतियों, अंधविश्वास और नशे से दूर रहने का संदेश दिया। 9 जून 1900 को रांची जेल में उनका निधन हुआ। उनके योगदान के सम्मान में भारत सरकार ने 2021 में उनकी जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया।

किसानों की आर्थिक समृद्धि और खेती को लाभकारी बनाने के लिए छत्तीसगढ़ में हो रहे नवाचार - कृषि मंत्री नेताम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में किसानों की आर्थिक समृद्धि और खेती को लाभकारी बनाने के लिए राज्य सरकार कई महत्वपूर्ण पहल कर रही है। कृषक उन्नति योजना के साथ दलहन-तिलहन, फसल विविधीकरण और श्री अन्न की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।कृषि मंत्री रामविचार नेताम और कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने नवा रायपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में विभाग की उपलब्धियों की जानकारी दी।इस दौरान संचालक राहुल देव भी मौजूद थे।मंत्री ने बताया कि खरीफ 2023 से 2025 तक 25 लाख से अधिक किसानों को कृषक उन्नति योजना के तहत कुल 35,904 करोड़ 90 लाख रुपये का भुगतान किया गया है।इसमें खरीफ 2023 में 13,289 करोड़, 2024 में 11,976 करोड़ और 2025 में 10,639 करोड़ रुपये शामिल हैं।



प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपये की आदान सहायता से किसानों को मिलेगी सुविधा

कृषि मंत्री नेताम ने बताया कि कृषक उन्नति योजना में किसानों को प्रति एकड़ 13,839 रुपये की एक समान आदान सहायता मिलेगी। इससे किसान अपनी सुविधानुसार धान बेच सकेंगे। कम धान बेचने पर भी सहायता का लाभ मिलेगा।धान के बदले अन्य फसल लेने पर सहायता 11 हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रति एकड़ की गई है। इसमें 52 हजार से अधिक किसानों ने 28 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र का पंजीयन कराया है।दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी व कपास पर 10 हजार रुपये प्रति एकड़ सहायता दी जाएगी। इसके लिए 4.26 लाख किसानों ने 2.66 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र का पंजीयन कराया है। कृषि मंत्री ने मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) के तहत प्रदेश में दलहन एवं तिलहन फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया जा रहा है। वर्ष 2025-26 में प्रदेश के 29 जिलों में 273 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से अरहर, सोयाबीन, चना, मसूर एवं सरसों की कुल 3 लाख 72 हजार 39 क्विंटल खरीदी की गई।इसके एवज में किसानों को 219.08 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। इसमें अकेले चना की 3 लाख 54 हजार 127 क्विंटल खरीदी कर 24 हजार 257 किसानों को 207.59 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

श्री अन्न के उत्पादन और प्रसंस्करण को मिलेगा बढ़ावा

श्रीकृषि मंत्री नेताम ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में कोदो, कुटकी और रागी का उपार्जन मार्कफेड के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए 15 दिसंबर 2026 से 15 फरवरी 2027 तक की अवधि निर्धारित है।रागी की खरीदी केंद्र के एमएसपी पर और कोदो-कुटकी की खरीदी राज्य शासन की निर्धारित दर पर होगी। उपार्जित श्री अन्न आंगनबाड़ी, स्कूलों और प्रसंस्करण इकाइयों को दिया जाएगा, जिससे उत्पादन के साथ प्रसंस्करण और विपणन को भी बढ़ावा मिलेगा।

जनजातीय गौरव दिवसः छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और अस्मिता के सम्मान का महापर्व - राजेश अग्रवाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन



रायपुर। छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं, लोककलाओं और प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवनशैली से है। जनजातीय समाज ने सदियों से जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के साथ अपनी विरासत को जीवंत रखा है। 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर मनाया जाने वाला जनजातीय गौरव दिवस हमें जनजातीय नायकों के संघर्ष, त्याग और बलिदान की याद दिलाता है। बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश शासन के अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल फूंका। छत्तीसगढ़ की धरती भी शहीद वीर नारायण सिंह और भूमकाल विद्रोह के नायक वीर गुंडाधुर जैसे वीरों के शौर्य की साक्षी रही है। बस्तर, सरगुजा, जशपुर, कांकेर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर जैसे अंचल सांस्कृतिक विविधता के केंद्र हैं। बस्तर दशहरा, गोंचा पर्व, मड़ई मेले, गौर, करमा, सैला, सुआ नृत्य और ढोकरा, लौह, काष्ठ व बांस शिल्प हमारी पहचान हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार जनजातीय संस्कृति के संरक्षण, कलाकारों को मंच देने और लोककलाओं को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। पर्यटन में भी स्थानीय समुदाय की भागीदारी से समुदाय आधारित पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जनजातीय गौरव दिवस को राष्ट्रीय महत्व देने से जनजातीय नायकों को व्यापक पहचान मिली है। आइए, संकल्प लें कि जनजातीय विरासत को सहेजेंगे और जनजातीय समाज की समृद्धि, सम्मान एवं स्वाभिमान के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

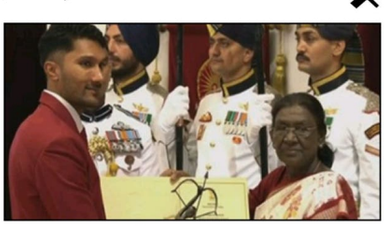
राष्ट्रपति मुर्मु ने प्रदान किए राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 प्रदान किए। डेकाथलॉन एथलीट तेजस्विन शंकर और फिडे महिला विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख सहित 15 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं, अनुभवी फुटबॉलर इसायाह अरुमाइनयागम को अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम) प्रदान किया गया। तेजस्विन शंकर ने कॉमनवेल्थ गेम्स की डेकाथलॉन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था। वह इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बने। दूसरी ओर, दिव्या देशमुख ने फिडे महिला विश्व कप 2025 का खिताब जीतकर भारतीय शतरंज में नया इतिहास बनाया। वह यह प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।

इन खिलाड़ियों को मिला अर्जुन पुरस्कार

अर्जुन पुरस्कार पाने वालों में ट्रैक एंड फील्ड एथलीट मुहम्मद अजमल वरियाथोडी, रेस वॉकर प्रियंका गोस्वामी, मुक्केबाज नरेंद्र, शतरंज खिलाड़ी विदित संतोष गुजराती, पैरा शूटर धनुष श्रीकांत, हॉकी खिलाड़ी लालरेमसियामी ह्यार्जोट और



राजकुमार पाल शामिल हैं। इसके अलावा कबड्डी खिलाड़ी सुरजीत और पूजा, पैरा शूटर रुद्रांश खंडेलवाल, पैरा एथलीट एकता भ्यान, रोवर अरविंद सिंह और शूटर अखिल श्योराण को भी अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। महिला बैडमिंटन की प्रमुख डबल्स जोड़ी त्रिशा जॉली और पुलेला गायत्री गोपीचंद समारोह में शामिल नहीं हो सकीं। वे जापान मास्टर्स टूर्नामेंट के लिए जापान में हैं।

इसायाह अरुमाइनयागम को अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम)

यह सम्मान ऐसे खिलाड़ियों को दिया जाता है, जिन्होंने अपने खेल प्रदर्शन से उल्लेखनीय योगदान दिया हो और संन्यास के बाद भी खेलों के विकास तथा प्रोत्साहन के लिए काम जारी रखा हो।

पांच को द्रोणाचार्य पुरस्कार

एथलेटिक्स कोच परवीर सिंह, बॉक्सिंग कोच छोटे लाल यादव और धर्मेंद्र सिंह यादव, शूटिंग कोच नेहा नंदकुमार चव्हाण तथा कुश्ती कोच वीरेंद्र कुमार को द्रोणाचार्य पुरस्कार मिला।

साहसिक खेलों में उपलब्धियों के लिए चार सम्मान

तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार 2024 चार श्रेणियों में प्रदान किए गए। बेलजीत कौर और स्कलजांग रिग्जिन को लैंड एडवेंचर, रिमो साहा को वॉटर एडवेंचर और शिव प्रसाद चमोली को लाइफटाइम अचीवमेंट श्रेणी में सम्मानित किया गया।

आर्मी पैरालंपिक नोड को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार

पुणे स्थित आर्मी पैरालंपिक नोड को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया। लेफ्टिनेंट कर्नल दलजीत सिंह ने राष्ट्रपति के हाथों यह पुरस्कार ग्रहण किया।

एक साल से अधिक की देरी से हुआ समारोह

इस बार समारोह के आयोजन में एक साल से अधिक की देरी हुई। आमतौर पर ये पुरस्कार 29 अगस्त को दिए जाते हैं। यह तारीख हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाई जाती है। हालांकि, ओलंपिक, कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स वाले वर्षों में तारीख इन प्रतियोगिताओं के समापन को ध्यान में रखते हुए तय की जाती है।

उपमुख्यमंत्री साव पथ विक्रेताओं से करेंगे संवाद, नगरीय प्रशासन विभाग और सूडा द्वारा स्वनिधि महोत्सव का आयोजन

उत्कृष्ट कार्य करने वाले बैंकों और निकायों का होगा सम्मान, लाभार्थियों को चेक, यूपीआई पेमेंट बॉक्स और प्रशस्ति पत्र दिए जाएंगे

वित्तीय साक्षरता और डिजिटल भुगतान की जानकारी के साथ फूड स्टॉल, प्रदर्शनी, और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उपमुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव 14 नवम्बर को राजधानी रायपुर में आयोजित स्वनिधि महोत्सव में शामिल होंगे। वे प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत स्वरोजगार कर रहे पथ विक्रेताओं से सीधा संवाद करेंगे और लाभार्थियों को चेक, यूपीआई पेमेंट बॉक्स तथा प्रशस्ति पत्र वितरित करेंगे। महोत्सव में पीएम स्वनिधि योजना के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बैंकों, उनकी शाखाओं और नगरीय निकायों को सम्मानित किया जाएगा। महोत्सव में पथ विक्रेताओं को वित्तीय साक्षरता और डिजिटल भुगतान से जोड़ने विशेष सत्र भी आयोजित किया गया है। इनके साथ ही फूड स्टॉल, प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम और नुक्कड़ नाटक भी महोत्सव में होंगे। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा राज्य शहरी विकास अभिकरण द्वारा प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के अंतर्गत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उत्कृष्टता की ओर बढ़ते कदम थीम पर आयोजित स्वनिधि महोत्सव 14 नवम्बर को सुबह दस बजे से साइंस कॉलिज परिसर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में होगा। महोत्सव का संदेश आत्मनिर्भर भारत, सशक्त शहरी विकास, स्वरोजगार से नई संभावनाएं रखा गया है।

उपमुख्यमंत्री करेंगे पुरस्कार वितरण, पथ विक्रेताओं के अनुभव भी जानेंगे

महोत्सव में उपमुख्यमंत्री अरुण साव लाभार्थियों से संवाद कर उनके अनुभव जानेंगे। वे पीएम स्वनिधि योजना में उत्कृष्ट कार्य करने वाली राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, बेहतर प्रदर्शन करने वाले बैंकों एवं उनकी शाखाओं को सम्मानित करेंगे। योजना के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली नगरीय निकायों को पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।

वित्तीय साक्षरता और डिजिटल भुगतान पर विशेष सत्र

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने बताया कि महोत्सव में वित्तीय समावेशन और वित्तीय साक्षरता पर विशेष सत्र का आयोजन किया गया है। इसमें भारतीय रिजर्व बैंक, विभिन्न बैंकों तथा राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के अधिकारी जानकारी देंगे। डिजिटल पेमेंट एग्रीगेटर्स द्वारा डिजिटल भुगतान अभियान के बारे में बताया जाएगा। महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम और नुक्कड़ नाटक भी होंगे। स्वनिधि महोत्सव की अध्यक्षता वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा रायपुर जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप करेंगे। कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल और श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक सर्वश्री राजेश मूणत, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा तथा अनुज शर्मा, रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और सभापति सूर्यकांत राठौर भी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगे।

टायर फटने से बेकाबू ट्रक मकान के अगले हिस्से में घुसा, सांड की मौत

लखनऊ।निगोहां थाना क्षेत्र के मदापुर मंदिर चौराहे के पास गुरुवार देर शाम एक तेज रफ्तार ट्रक का टायर फटने से बड़ा हादसा हो गया। अनियंत्रित ट्रक डिवाइडर तोड़ते हुए सड़क की दूसरी पटरी पर स्थित मकान के अगले हिस्से में जा घुसा। हादसे में एक सांड की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मकान और दुकानों के सामने लगा टीनशेड क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि हादसे से कुछ देर पहले ही मकान मालिक और उनकी पत्नी घर के अंदर चले गए थे, वहीं मोमोज की दुकान लगाने वाला युवक भी दुकान बंद कर जा चुका था। इससे एक बड़ा हादसा टल गया।जानकारी के अनुसार निगोहां क्षेत्र के मस्तीपुर निवासी पृथ्वीपाल यादव का मदापुर मंदिर चौराहे पर हाईवे किनारे मकान है, जिसमें वह पत्नी और बच्चों के साथ रहते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक गुरुवार शाम करीब आठ बजे के करीब लखनऊ से रायबरेली की ओर जा रहे तेज रफ्तार ट्रक का अगला दाहिना टायर अचानक फट गया।

महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. ममता साहू की अध्यक्षता में छह जिलों के अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। महिलाओं के अधिकारों, सुरक्षा और उनसे जुड़े विधिक प्रावधानों की प्रभावी जानकारी संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों तक पहुंचाने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग ने धमतरी में एक दिवसीय जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। राष्ट्रीय महिला आयोग के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने की। प्रशिक्षण में धमतरी के साथ रायपुर, महासमुंद, दुर्ग, कांकेर और बालोद जिले के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।धमतरी के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सुबह 10 बजे से आयोजित कार्यक्रम में सखी वन स्टॉप सेंटर के काउंसलर, केस वर्कर और मेडिकल पर्सन, संरक्षण अधिकारी, पुलिस विभाग के वूमेन हेल्प डेस्क के प्रतिनिधि तथा विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों से जुड़े मामलों में कार्यरत विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों को संबंधित कानूनों की जानकारी देना और उनके कार्यों में आवश्यक समन्वय के विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान करना था। कार्यक्रम में आयोग की सदस्य सरला कोसरीया और दीपिका सोरी, कलेक्टर अबिनाश मिश्रा, आयोग के सचिव रमेश साहू, अपर कलेक्टर इंदिरा नवीन देवहारी, संयुक्त कलेक्टर प्रीति दुर्गम, अनुविभागीय अधिकारी कल्पना ध्रुव तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी महेश मरकाम उपस्थित थे। प्रशिक्षण सत्र में जिला बाल संरक्षण अधिकारी आनंद पाठक ने बाल अधिकारों से संबंधित कानूनों की जानकारी दी। उन्होंने किशोर न्याय अधिनियम (जेजे एक्ट) और पॉक्सो अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों पर चर्चा की। इसके बाद धनंजय तिवारी ने महिलाओं के अधिकारों से जुड़े कानूनों की तकनीकी जानकारी देते हुए भारतीय न्याय संहिता, घरेलू हिंसा से संबंधित कानून और महिलाओं के संरक्षण के लिए लागू अन्य विधिक प्रावधानों के बारे में बताया। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, कुरूद, रागिनी मिश्रा (तिवारी) ने महिलाओं से जुड़े मामलों में पुलिस की भूमिका और सखी वन स्टॉप सेंटर के साथ पुलिस विभाग के समन्वय के विषय पर जानकारी दी। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि इन मामलों में संबंधित संस्थाओं और विभागों के बीच समन्वय किस प्रकार महत्वपूर्ण है।

नहाय, खाय के साथ प्रारम्भ हुआ सूर्योपासना का महापर्व छठ

0 समिति के द्वारा की जा रही महापर्व की व्यापक तैयारियां, दुल्हन की तरह सज रहा रेणुका का तट
0 कलेक्टर व एसपी ने घाट पहुंचकर लिया व्यवस्थाओं का जायजा, दिए आवश्यक निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शुक्रवार को नहाय खाय के साथ तीन दिनो तक चलने वाला सूर्योपासना का महापर्व छठ प्रारम्भ हो गया। आज शनिवार 14 नवम्बर को खरना, घाट बंधान एवं रविवार 15 नवम्बर को व्रतियों द्वारा अस्ताचलगामी भगवान भाष्कर को अर्धय दिया जाएगा। सोमवार 16 नवम्बर को उदयीमान भगवान सूर्य को अर्पय देने के साथ महापर्व का समापन होगा। छठ महापर्व को लेकर छठ पूजा समिति के द्वारा रेणुका नदी के तट स्थित छठ घाट में साफ सफाई एवं श्रद्धालुओ की सुविधा के दृष्टिगत व्यापक व्यवस्थाओ के साथ रेणुका के तट को रंग बिरंगे रोशनी से दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। जहां शहर सहित आसपास क्षेत्र से बड़ी संख्या में व्रती परंपरानुसार पूजन अर्चन पश्चात भगवान भष्कर अर्धय देंगे। वहीं शहर के नए बाजारपारा स्थित छठ तालाब में भी साफ सफाई के साथ अन्य व्यवस्थाएं की जा रही है। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील, पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल, सीएसपी विशाल गर्ग, एसडीएम प्रशांत कुशवाहा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े, भाजपा जिलाध्यक्ष मुरलीमनोहर सोनी, नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने रेणुका नदी स्थित छठ घाट का



निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने प्रशासनिक स्तर पर सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारी कर्मचारियों को दिए है। जबकि नगर पालिका की पूरी टीम छठ घाट पर समुचित व्यवस्था करने के लिए जुटी हुई है। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं की उमड़ने वाली भीड़ के मद्देनजर सुरक्षा एवं यातायात की चकाचौबंद व्यवस्था के लिए भी पुलिस कप्तान योगेश पटेल ने यातायात प्रभारी बृजकिशोर पांडेय को निर्देश दिए है। स्थानीय कलाकारों के द्वारा छठ महापर्व पर छठी मईया के भजनों की शानदार प्रस्तुति दी जाएगी।

घाटों पर पुलिस अधिकारी व जवानों की रहेगी कड़ी चौकसी

लोक आस्था के इस महापर्व को पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने शुक्रवार को शहर के रेणुका नदी के तट स्थित छठ घाट का जायजा लिया जहां घाट की सफाई सहित समुचित व्यवस्था को दुरूस्त करने की कवायत तेजी से जारी है। उन्होंने छठ घाट पर लाइटिंग के साथ गोताखोर और मेडिकल टीम की तैनाती समेत कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसपी ने बताया कि जिले में जिन-जिन स्थानों पर छठ पर्व मनाया जाता है वहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के प्रबंध किए है। छठ पूजा के दौरान पूरे जिले भर में विभिन्न घाटों पर बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी, पुलिस के जवान को तैनात किए जायेंगे।

शहर की व्यवस्था सुगम बनाने मुस्तैद रहेगी पेट्रोलिंग टीम

छठ घाट के अलावा शहर की भीड़ नियंत्रण एवं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाए रखने के लिए पुलिस की कई पेट्रोलिंग टीमें लगातार मुस्तैद रहेगी, घाट पर अस्थाई पुलिस कन्ट्रोल रूम बनाया जायेगा। किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर कन्ट्रोल रूम के नम्बर पर सूचना दी जा सकती है।रेड़ नदी मुख्य छठ घाट पर उमड़ने वाली भीड़, सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था को लेकर समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों से भी चर्चा की गई। इस दौरान उन्होंने छठ पूजा समिति द्वारा व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए की जा रही तैयारी की भी जानकारी ली और कई जरूरी निर्देश भी दिए। यातायात प्रभारी को वाहनों की पार्किंग के उचित इंतेजाम करने के निर्देश दिए। समिति की ओर से व्रतियो एवं श्रद्धालुओ की सुविधा के लिए की जा रही तैयारी पर संतोष जताया। इस दौरान छठ पूजा समिति गणेश सोनी, अनिल गुप्ता, सुनील विश्वकर्मा, गोविन्द साहू, संतोष सोनी, पंकज चौबे, प्रदीप सोनी, सुनील सोनी, संजय सोनी, श्रवण जैन, सूरज अवस्थी, भोला कुशवाहा, विकी मिश्रा, प्रवीण विश्वकर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

भारी वाहन रहेंगे प्रतिबंधित

पुलिस ने छठ पर्व को लेकर रविवार 15 नवम्बर की दोपहर 1 बजे से सोमवार 16 नवम्बर की सुबह 10 बजे तक महगवां चौक से रिंग रोड़ कर्मा चौक तक सभी भारी वाहनों को प्रतिबंधित किया है। इसी प्रकार उक्त अवधि समय पर विश्रामपुर से भटगांव मार्ग, दतिमा से विश्रामपुर तक सभी भारी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा।

कुबेरपुर में पत्नी की दर्दनाक मौत के बाद पति की संदिग्ध मृत्यु पर मंत्री लक्ष्मी सख्त

मंत्री बोलीं- नहीं बक्शे जाएंगे दोषी, निष्पक्ष जांच के निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। ग्राम कुबेरपुर में चंद्रावती जायसवाल की सड़क दुर्घटना में हुई मृत्यु के बाद अब उनके पति संजय जायसवाल की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मृत्यु के मामले को महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने गंभीरता से लिया है। मंत्री लक्ष्मी ने संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि जांच में किसी भी प्रकार का दबाव, पक्षपात अथवा लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री ने कहा कि इस दुखद घटनाक्रम के प्रत्येक पहलू की गंभीरता से जांच होनी चाहिए। यदि जांच में किसी भी व्यक्ति की संलिप्तता, किसी प्रकार की प्रताड़ना अथवा आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने जैसे तथ्य सामने आते हैं, तो संबंधित दोषियों के विरुद्ध कठोरतम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कोई भी दोषी किसी



भी परिस्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पूर्व में हुई सड़क दुर्घटना, उसके बाद उत्पन्न परिस्थितियों, दर्ज प्रकरणों तथा मृतक संजय जायसवाल की मृत्यु से जुड़े सभी पहलुओं की निष्पक्षता से पड़ताल की जाए। साथ ही परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों को भी गंभीरता से लेते हुए प्रत्येक तथ्य का सत्यापन किया जाए। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। किसी निर्दोष के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए और किसी दोषी को संरक्षण नहीं मिलना चाहिए। शासन की प्राथमिकता पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना और पूरे मामले की सच्चाई सामने लाना है। उन्होंने इस हृदयविदारक घटना में माता-पिता दोनों को खो चुके मासूम बच्चों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उनके संरक्षण, शिक्षा एवं भविष्य की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक पहल करने के निर्देश दिए हैं। मंत्री ने दोहराया कि इस मामले में निष्पक्ष जांच के माध्यम से सच्चाई सामने लाई जाएगी तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पोड़ी मोड़ में आज सजेगी लोकसंस्कृति की महफिल, करमा-ददरिया गीतों पर झूमेंगे ग्रामीण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। लक्ष्मी पूजा के पावन अवसर पर पोड़ी मोड़ में आज शनिवार की रात लोकसंस्कृति और पारंपरिक संगीत का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। क्षेत्र में धार्मिक उत्साह के बीच सांस्कृतिक रंग बिखेरने के लिए समिति एवं ग्रामीणों ने विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया है। कार्यक्रम को लेकर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है। आयोजन प्राथमिक शाला पोड़ी मोड़ के खेल मैदान में किया जाएगा, जहां रात्रि 10 बजे से सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का सिलसिला शुरू होगा। इस आयोजन में गायक रमेश दास अपनी गायकी का जलवा बिखेरेंगे। उनके द्वारा सरगुजा अंचल की पारंपरिक लोकसंस्कृति को गीत-संगीत के माध्यम से जीवंत किया जाएगा। कार्यक्रम में करमा, ददरिया सहित सरगुजिहा लोकगीतों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इन गीतों में छत्तीसगढ़ की मिट्टी की खुशबू, ग्रामीण जीवन की झलक और आदिवासी अंचल की सांस्कृतिक विरासत की मिठास देखने-सुनने को मिलेगी। सरगुजा अंचल में करमा और ददरिया केवल मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि यहां की परंपरा, पहचान और सामाजिक जीवन से गहराई से जुड़े हुए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में लक्ष्मी पूजा के अवसर पर इस तरह के सांस्कृतिक आयोजनों की अपनी अलग पहचान होती है। पूजा-अर्चना के साथ गीत-संगीत और लोकनृत्य का आयोजन आपसी भाईचारे, सामाजिक एकता और सामूहिक सहभागिता को मजबूत करता है। आयोजन समिति एवं ग्रामीणों ने क्षेत्र के सभी लोगों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

जिले के 60 खरीदी केंद्रों में कल से समर्थन मूल्य पर किसान बेच सकेंगे धान, इस वर्ष 2541 नए किसानों ने कराया पंजीयन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य 15 नवंबर से प्रारंभ होगा। इस वर्ष जिले के 60 हजार किसानों ने धान विक्रय के लिए पंजीयन कराया है। किसानों की सुविधा के लिए जिले में 60 धान उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 6 नवीन उपार्जन केंद्र भी शामिल हैं। सभी केंद्रों में खरीदी की आवश्यक तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली गई हैं। जिले के कुल 65990 किसानों ने समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के लिए पंजीयन कराया था, जबकि वर्ष 2026-27 में यह संख्या बढ़कर 68531 हजार हो गई है। पिछले वर्ष की तुलना में 2541 नए किसानों ने पंजीयन कराया है। किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करने से लेकर धान विक्रय तक की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। प्रशासन का प्रयास है कि प्रत्येक पंजीकृत किसान को बिना किसी परेशानी के अपनी उपज बेचने का अवसर मिले।



किसानों की सुविधा और खरीदी व्यवस्था को अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से इस वर्ष जिले में 6 नए धान उपार्जन केंद्र प्रारंभ किए गए हैं। नवीन केंद्रों को मिलाकर जिले में धान उपार्जन केंद्रों की संख्या 60 हो गई है। इन केंद्रों में 15 नवंबर से 15 जनवरी 2027 तक समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की जाएगी। शासन के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार पंजीकृत किसान प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान का विक्रय कर सकेंगे। इस वर्ष कॉमन धान का समर्थन मूल्य 2,441 रुपये तथा ग्रेड-ए धान का समर्थन मूल्य 2,461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

तुंहर टोकन एप से घर बैठे प्राप्त कर सकेंगे टोकन

किसानों की सुविधा के लिए शासन द्वारा 'तुंहर टोकन' एप के माध्यम से ऑनलाइन टोकन प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। किसान इस एप के जरिए घर बैठे धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त कर सकेंगे। जिसकी प्रक्रिया 10 नवंबर से शुरू हो चुकी है। अब तक 976 किसानों ने सुविधा का लाभ लेते हुए अपना ऑनलाइन टोकन कटवाया है। इससे उपार्जन केंद्रों में अनावश्यक भीड़ और किसानों की भागदौड़ कम होगी तथा खरीदी प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक एवं पारदर्शी बनेगी।

अवैध परिवहन एवं भंडारण पर रहेगी कड़ी निगरानी

धान खरीदी के दौरान अवैध धान परिवहन, भंडारण एवं अन्य अनियमितताओं की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक निगरानी व्यवस्था की गई है। जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में कुल 04 चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं। इनमें ग्राम नवाटोला, चौपता पुल ग्राम विशालपुर, ग्राम खोंड एवं ग्राम रेवटी शामिल हैं। इन चेकपोस्टों के माध्यम से धान के अवैध परिवहन एवं भंडारण पर निगरानी रखी जाएगी।

कलेक्टर ने दिए आवश्यक निर्देश

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में धान खरीदी की संपूर्ण प्रक्रिया को सुचारू एवं पारदर्शी बनाने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। उपार्जन केंद्रों में बारदानों की उपलब्धता, पेयजल, छाया, बैठक व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा गया है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को शासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए किसानों से सुव्यवस्थित ढंग से धान खरीदी सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए हैं।

रसौकी और रामगढ़ में हाथियों का तांडव, 15 किसानों के धान की फसल चौपट

ग्रामीणों को मूवमेंट की सूचना नहीं देने पर विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में जंगली हाथियों का उत्पात लगातार बढ़ता जा रहा है। बीती रात रसौकी और रामगढ़ क्षेत्र में जंगली हाथियों के दल ने जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने खेतों में पहुंचकर किसानों की धान की खड़ी फसल को खाकर और रौंदकर बर्बाद कर दिया। एक ही रात में करीब 15 किसानों की फसल प्रभावित होने से ग्रामीणों और किसानों की चिंता बढ़ गई है। वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के रसौकी बीट में लगभग 11 जंगली हाथियों का दल विचरण कर रहा था। इस दल में छोटे हाथी भी शामिल हैं। हाथियों ने पी-518 के समीप लगे राजस्व क्षेत्र में 9 किसानों की धान की फसल को खाकर और कुचलकर नुकसान पहुंचाया। इसके बाद हाथियों का दल पी-518 और पी-522 से होकर बरंगा बीट की ओर चला गया। विभागीय जानकारी के अनुसार हाथियों के सेमरिया, सुकतरा, रसौकी और मोहरसोप की ओर जाने की संभावना जताई गई है।



वहीं दूसरी ओर ग्राम पंचायत रामगढ़ में भी बीती रात हाथियों ने करीब आधा दर्जन किसानों की धान की फसल को नुकसान पहुंचाया। प्रभावित किसानों में रामप्रताप सिंह, रामधनी सिंह, महगू सिंह और प्रसराम सिंह सहित अन्य किसान शामिल हैं। हाथियों द्वारा लगातार फसल बर्बाद किए जाने से किसानों की सालभर की मेहनत पर पानी फिर रहा है।

लोकेशन के बावजूद ग्रामीणों नहीं दी जाती जानकारी

क्षेत्र के ग्रामीणों का आरोप है कि हाथियों के मूवमेंट की जानकारी होने के बावजूद गांवों में समय पर मुनादी नहीं कराई जाती। न ही ग्रामीणों को हाथियों के संभावित रास्तों और उनकी लोकेशन की जानकारी दी जाती है। गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान पार्क परिक्षेत्र रिहंद टाइगर रिजर्व और बिहारपुर वन विभाग की सूचना व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।ग्रामीणों का कहना है कि यदि विभाग समय रहते हाथियों की लोकेशन और आवाजाही की जानकारी गांवों तक पहुंचाए तो लोग अपने परिवार, बच्चों और मवेशियों को सुरक्षित रख सकते हैं। लेकिन मुनादी और अलर्ट व्यवस्था नहीं होने से कभी भी बड़ी घटना होने की आशंका बनी हुई है।

शावक की मौत के बाद भी नहीं चेता विभाग

कुछ दिन पहले जुड़वानिया लालमाटी जंगल के पास सड़क किनारे एक हाथी के शावक का शव मिला था। बताया गया था कि शव करीब दो से तीन दिन पुराना था। इस घटना के बाद भी हाथियों की निगरानी और विभागीय सतर्कता को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग की निगरानी व्यवस्था मजबूत होती तो ऐसी घटनाओं की जानकारी समय रहते मिल सकती थी।

सैकड़ों किसानों की फसल बर्बाद, ग्रामीण भयभीत

चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में अब तक सैकड़ों किसानों की फसलों को हाथियों द्वारा नुकसान पहुंचाए जाने की शिकायतें सामने आ चुकी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग की कार्रवाई फसल क्षति का आकलन और क्षतिपूर्ति तक ही सीमित रह जाती है। जंगल किनारे कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों को डर है कि रात के अंधेरे में हाथियों का दल गांव में घुसकर मकानों को नुकसान पहुंचा सकता है और जनहानि भी हो सकती है। ग्रामीणों ने गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान पार्क परिक्षेत्र रिहंद टाइगर रिजर्व और बिहारपुर वन विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि प्रभावित गांवों में तत्काल मुनादी कराई जाए, हाथियों की लोकेशन की जानकारी नियमित रूप से दी जाए, रात्रिकालीन गश्त बढ़ाई जाए और प्रभावित किसानों को उचित क्षतिपूर्ति दी जाए।

टाइगर रिजर्व के जंगलों में लकड़ी तस्करों का आतंक, धड़ल्ले से हो रही बेशकीमती पेड़ों की कटाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व के जंगलों में अवैध लकड़ी कटाई और तस्करी का मामला सामने आ रहा है। मोहरसोप से लगे जुड़वानिया के ललमट्टा जंगल सहित कई वन क्षेत्रों में कथित तौर पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है। आरोप है कि जंगलों से बेशकीमती लकड़ियां काटकर सीमावर्ती रास्तों के माध्यम से मध्यप्रदेश भेजी जा रही हैं। स्थानीय स्तर पर मिल रही जानकारी के अनुसार, केवल लालमाटा जंगल ही नहीं, बल्कि पूर्वी बैजनपाठ, लूल्ह, कोल्हुआ, रसौकी और कछवारी के जंगल भी लकड़ी तस्करों के निशाने पर हैं। इन क्षेत्रों में लगातार पेड़ों की कटाई कर लकड़ियों को बाहर निकालने की शिकायतें मिल रही हैं। बताया जा रहा है कि तस्कर लकड़ी परिवहन के लिए दोपहिया बाइक और चारपहिया वाहनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके अलावा कंधे पर लकड़ी लादकर भी परिवहन किए जाने की बात सामने आ रही है। सूत्रों के मुताबिक, जंगलों से लकड़ी निकालकर मध्यप्रदेश पहुंचाने के लिए पथारीपारा, भाटपारा और मकराद्वारी बैरियर की ओर जाने वाले रास्तों का इस्तेमाल किया जा रहा है। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण तस्करों को लकड़ी बाहर ले जाने में आसानी हो रही है। यदि समय रहते इन रास्तों पर निगरानी नहीं बढ़ाई गई तो जंगलों की बेशकीमती संपदा को भारी नुकसान पहुंच सकता है।

प्रभारी रेंजर की निगरानी पर सवाल

ग्रामीणों का आरोप है कि लकड़ी तस्करी की जानकारी विभागीय अधिकारियों को देने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है।



शिकायत करने पर विभाग की ओर से स्टाफ की कमी होने की बात कही जाती है। वहीं, क्षेत्र में प्रभारी रेंजर के कभी-कभार ही पहुंचने को लेकर भी स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों का सवाल है कि जब टाइगर रिजर्व के जंगलों में लगातार अवैध कटाई की शिकायतें मिल रही हैं, तो नियमित गश्त और निगरानी क्यों नहीं की जा रही है।लगातार सामने आ रही लकड़ी तस्करी की शिकायतों ने टाइगर रिजर्व की वन सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने जंगलों में नियमित गश्त बढ़ाने, सीमावर्ती रास्तों पर निगरानी रखने और लकड़ी तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

होगी कार्रवाई

मामले की जानकारी पर गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व बैकुंठपुर की डीएफओ श्रीमती श्वेता कंवोज ने लकड़ी जब्त करने के साथ जांच और संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की बात कही है।

जिले मे सुबह व शाम के वक्त हो रहा है ठंड का एहसास

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। शहर सहित जिले के पहाड़ी इलाकों में ठंड की शुरुआत हो चुकी है। सुबह व शाम के वक्त कंपाने वाली ठंड का एहसास हो रहा है। लोग गर्म कपड़े पहनने शुरू कर चुके हैं। हालांकि दोपहर में ठंड से राहत है। गुरुवार को शहर का न्यूनतम तापमान 14 डिग्री व दिन का तापमान 24 डिग्री दर्ज किया गया है। हालांकि नवंबर के दूसरे सप्ताह में यह ठंड बीते साल के मुकाबले काफी कम है। बीते साल नवंबर के दूसरे सप्ताह तक शहर का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री तक गिर चुका था। जिले के सबसे ऊंचे स्थान पंडरापाठ में 12 नवंबर 2025 को न्यूनतम तापमान 7 डिग्री पर गिरा था और ओस की बूंदें बर्फ में तब्दील होनी शुरू हो गई थी। इसके बाद से दिसंबर और जनवरी के पूरे महीने पंडरापाठ सहित समूचे पहाड़ी इलाके की धरती ओस के जमने की वजह से सफेद नजर आई थी। इस साल ऐसी स्थिति अब तक नहीं बनी है। दिन में मौसम सुहाना है और गर्म कपड़ों की जरूरत दिन में महसूस नहीं हो रही है।



हाल ही में आए चक्रवाती तूफान के बादल व हिमालयी क्षेत्रों में मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं होने के कारण उत्तर की ओर से आने वाली ठंडी और शुष्क हवाएं तेजी से नहीं पहुंच पा रही हैं। हवा की दिशा बार-बार बदलने से तापमान में अपेक्षित गिरावट रुकी हुई है। मौसम वैज्ञानिकों द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार इस साल नवंबर के तीसरे सप्ताह भी कंपाने वाली ठंड का एहसास नहीं होगा। क्योंकि आने वाले दिनों में विक्षोभ व अन्य सिस्टम की वजह से आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। इन बादलों की वजह से उत्तरी हवाएं थमी रहेंगी और कड़ाके की ठंड शुरू नहीं होगी। 20 नवंबर तक न्यूनतम तापमान 16 से 17 डिग्री तक होने का अनुमान है।

खेत में बैल चरने की बात से नाराज होकर बुजुर्ग की डंडे एवं लात-घूंसों से मारपीट कर की हत्या, आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। खेत में बैल के धान की फसल चरने की बात को लेकर हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि एक ग्रामीण ने 56 वर्षीय बुजुर्ग की बेरहमी से पिटाई कर दी। आरोपी ने बांस और लकड़ी के डंडे से बुजुर्ग के पीठ, जांघ और हाथ पर ताबड़तोड़ वार किए। लात-घूंसों से भी मारपीट की। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को जिला अस्पताल जशपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम बसलंघना की है। पुलिस ने मामले में आरोपी फिटू राम उर्फ धनक राम (52) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

बैलों के धान चरने पर हुआ विवाद

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक एतवा राम (56) निवासी ग्राम बसलंघना 11 नवंबर की शाम अपने बैलों को चराने के लिए घर के नीचे टेंगरगढ़ा स्थित खेत की ओर गए थे। इसी दौरान गांव का ही फिटू राम उर्फ धनक राम अपने खेत में पहुंचा। वहां एतवा राम के बैल धान की फसल चर रहे थे।

इसी बात को लेकर आरोपी नाराज हो गया और बैलों को खेत से भगाने की बात कहने लगा। उस समय एतवा राम खेत में करंज के पेड़ के नीचे जमीन पर लेटे हुए थे। आरोपी ने उन्हें आवाज लगाई, लेकिन तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर वह आक्रोशित हो गया और मारपीट शुरू कर दी। आरोपी ने पहले बांस के पतले डंडे से एतवा राम की पीठ और जांघ पर वार किए। इसके बाद बांस का डंडा फेंककर पास में पड़े लकड़ी के मोटे डंडे से लगातार हमला करने लगा। हमले में एतवा राम गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। इस दौरान मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने उनके साथ भी मारपीट की।

अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

घटना की सूचना मिलने पर मृतक के दामाद दीपक बघेल (33) अपने दोस्त के स्कॉर्पियो वाहन से मौके पर पहुंचे। वे घायल एतवा राम को तत्काल जिला अस्पताल जशपुर लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद दीपक बघेल की रिपोर्ट पर सिटी कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम किया। पुलिस ने अपराध क्रमांक 374/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत हत्या का मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की।



झाड़ियों से बरामद किए हमले में इस्तेमाल डंडे

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने संदेही फिटू राम उर्फ धनक राम को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने बैलों के खेत में धान चरने की बात को लेकर एतवा राम के साथ मारपीट करना स्वीकार किया। उसने बताया कि मारपीट के बाद घटना में इस्तेमाल किए गए बांस और लकड़ी के दोनों डंडों को घटनास्थल के पास झाड़ियों में फेंक दिया था। आरोपी के मेमोरेंडम कथन के आधार पर पुलिस ने झाड़ियों से दोनों डंडे बरामद कर जब्त कर लिए। पुलिस के अनुसार, पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक रिमांड पर भेजा गया

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार पाटनवार ने बताया कि ग्राम बसलंघना में बैलों के खेत में धान की फसल चरने की बात को लेकर हुए विवाद में आरोपी ने बुजुर्ग एतवा राम के साथ बांस और लकड़ी के डंडे से मारपीट की थी, जिससे उनकी मृत्यु हो गई।पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त दोनों डंडे भी जब्त किए गए हैं। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।



रणजीता स्टेडियम में शुरू हुआ खेल महाकुंभ, विधायक गोमती साय ने किया जशपुर ओलंपिक का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिले में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुक्रवार को रणजीता स्टेडियम में जिला स्तरीय जशपुर ओलंपिक 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। सरगुजा विकास साय ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलों में सफलता के लिए निरंतर अभ्यास, अनुशासन और कड़ी मेहनत जरूरी है। उन्होंने खिलाड़ियों से हार-जीत की चिंता किए बिना खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेने और जिले का नाम रोशन करने का आह्वान किया।



प्रतियोगिता के पहले दिन जूनियर वर्ग के लगभग 1100 खिलाड़ी मैदान में उतरे, जबकि दूसरे दिन सीनियर वर्ग के मुकाबले होंगे। प्रतियोगिताओं में एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, हॉकी, कुश्ती, कराते, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल और बास्केटबॉल सहित विभिन्न खेल स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं। रस्साकशी का प्रदर्शन भी आकर्षण रहेगा। गौरतलब है कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता में जशपुर, दुलदुला, मनोरा, कुनकुरी, फरसाबहार, कांसाबेल, पत्थलगांव और बगीचा विकासखंड के खिलाड़ी शामिल हो रहे हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र, मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा। खिलाड़ियों के आवागमन एवं भोजन की व्यवस्था भी की गई है।

कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष अरविन्द भगत, जनपद पंचायत अध्यक्ष गंगाराम भगत, कलेक्टर रोहित व्यास सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, खेल प्रशिक्षक एवं बड़ी संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

देउलबंद तालाब, जूदेव व गायत्री मंदिर घाट पर उमड़ेंगे श्रद्धालु, चार दिन चलेगा छठ का कठिन व्रत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। भगवान सूर्य की उपासना का पवित्र पर्व छठ शुक्रवार से शुरू होगा। चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में व्रती कठिन उपवास रखते हुए सात्विक दिनचर्या का पालन करेंगे। पर्व को लेकर शहर के छठ घाटों में तैयारियां तेज हो गई हैं। पहले दिन व्रती जलस्रोतों में स्नान कर घाट बांधेंगे। देउलबंद तालाब घाट की सीढ़ियों की झाड़ू से सफाई कर चूने से पुताई की गई है। वहीं सीढ़ियों पर जमी काई को भी हटाया जा रहा है।

नगरपालिका ने पानी की सफाई के लिए घाट के किनारे चूना और ब्लीचिंग पाउडर डलवाया है, ताकि व्रतियों को स्वच्छ वातावरण मिल सके। पंडित अनुज मिश्र बताते हैं कि कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी को सूर्य षष्ठी का व्रत कहते हैं। षष्ठी के दिन रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को व्रती पानी में डूबकर अर्घ्य देते हैं। इसे करने वाले व्रती धन-धान्य, पति-पुत्र तथा सुख-समृद्धि से परिपूर्ण रहते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो कार्तिक मास की षष्ठी तिथि वह दिन होता है जब मौसम में बदलाव हो रहा होता है। इस दौरान सूर्य की किरणें शरीर के लिए लाभकारी और न्यूनतम हानिकारक स्तर पर होती हैं, जो त्वचा व शरीर के इम्यून सिस्टम को बूस्ट करती हैं।

सीएम कैंप कार्यालय की पहल से गरईबंध कोरवापारा में लगा नया ट्रांसफार्मर, 25 परिवारों को मिली बिजली संकट से राहत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की संवेदनशील पहल और आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण की मंशा के अनुरूप मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहा है। इसी कड़ी में कैंप कार्यालय की पहल से कांसाबेल तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत शब्दमुड़ा के राजस्व ग्राम गरईबंध कोरवापारा में नया विद्युत ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। इससे बस्ती के लगभग 25 परिवारों को बिजली संकट से बड़ी राहत मिली है।

गरईबंध कोरवापारा बस्ती में लगा विद्युत ट्रांसफार्मर खराब हो गया था। इसके कारण बस्ती में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी और ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। बिजली नहीं होने से उनके दैनिक जीवन के जरूरी कार्य भी प्रभावित हो रहे थे। समस्या के समाधान के लिए बस्तीवासियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम



मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया में आवेदन सौंपकर नया ट्रांसफार्मर स्थापित कराने की मांग की थी। ग्रामीणों की समस्या पर मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया ने त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित विद्युत विभाग से समन्वय कर निराकरण की पहल की। इसके बाद विद्युत विभाग द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए बस्ती में नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया और बिजली आपूर्ति पुनः बहाल कर दी गई। इससे लंबे समय से बिजली की समस्या से जूझ रहे परिवारों को राहत मिली है।

बस्ती में बिजली आपूर्ति बहाल होने से ग्रामीणों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान का एक भरोसेमंद माध्यम बन गया है। यहां अपनी समस्या लेकर पहुंचने पर उसका संज्ञान लिया जाता है और समाधान के लिए त्वरित पहल की जाती है।

मुआवजे से नहीं चलेगा घर, जमीन के बदले जमीन चाहिए - लोरो-दोफा के ग्रामीणों की मांग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिले के दुलदुला तहसील के लोरो क्षेत्र में भारतमाला सड़क परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण का विरोध शुरू हो गया है। गुरुवार को प्रस्तावित सड़क निर्माण के लिए सर्वे करने पहुंचे अधिकारियों और कर्मचारियों को ग्रामीणों ने मौके पर ही रोक दिया। बड़ी संख्या में महिला और पुरुष ग्रामीण एकत्रित होकर कृषि भूमि अधिग्रहण का विरोध करने लगे। ग्रामीणों की मांग है कि यदि उनकी जमीन परियोजना के लिए ली जाती है तो बदले में खेती योग्य दूसरी जमीन उपलब्ध कराई जाए। उनका कहना है कि केवल नकद मुआवजा देने से उनकी आजीविका की समस्या का समाधान नहीं होगा। मामला लोरो-दोफा से आरा क्षेत्र तक प्रस्तावित सड़क निर्माण से जुड़ा है। परियोजना के तहत लोरो-दोफा गांव के 32 किसानों की जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है। इनमें से दो किसान पितरूस उरांव और राजेश उरांव मुआवजा ले चुके हैं। विरोध की सूचना पर दुलदुला तहसीलदार राहुल कौशिक और कुनकुरी एसडीओपी राजेश कुमार साहू पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी आपत्तियां सुनीं और समझाइश देने का प्रयास किया।

ग्रामीण रामप्रसाद रौतिया की करीब तीन एकड़ जमीन अधिग्रहण में जा रही है, जिसके बदले उन्हें 15 लाख रुपए मुआवजा मिलना है। वहीं शेराफिनुस एक्का की लगभग एक एकड़ जमीन के लिए 6 लाख रुपए निर्धारित किए गए हैं। ग्रामीणों ने पूर्व में एनएच-43 के लिए अधिग्रहित जमीन का मुआवजा मिलने में करीब 10 साल की देरी का अनुभव भी साझा किया। इसी कारण वे दोबारा जमीन अधिग्रहण को लेकर आशंकित हैं। तहसीलदार राहुल कौशिक ने बताया कि शनिवार को प्रशासन और ग्रामीणों के बीच बैठक होगी। इसमें मांगों और आपत्तियों पर चर्चा कर आपसी सहमति से समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा।



मौके पर उपस्थित तहसीलदार राहुल कौशिक ने बताया कि ग्रामीण भारतमाला परियोजना को अपने क्षेत्र से हटाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि सड़क निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहित की जाती है तो बदले में खेती योग्य जमीन उपलब्ध कराई जाए। तहसीलदार के अनुसार शनिवार को होने वाली बैठक में तहसीलदार, एसडीएम, एनएच के अधिकारी और किसान शामिल होंगे। ग्रामीणों ने भूमि संबंधी कार्रवाई से पहले सूचना देने और उचित मुआवजा सुनिश्चित करने की मांग भी की है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रस्तावित सड़क निर्माण के लिए कृषि भूमि अधिग्रहित होने से उनके सामने भविष्य में आजीविका का संकट खड़ा हो सकता है।

खेती ही उनके परिवार के भरण-पोषण का मुख्य आधार है। ऐसे में मुआवजे की राशि से दूसरी जगह उतनी ही उपयोगी कृषि भूमि खरीदना मुश्किल होगा। ग्रामीणों के अनुसार, कुछ भू-स्वामी मुआवजा ले चुके हैं, जबकि कई किसान निर्धारित राशि से संतुष्ट नहीं हैं और उन्होंने इसे लेने से इनकार कर दिया है। ग्रामीण रमेश्वर राम ने स्पष्ट किया है कि यदि सड़क निर्माण के लिए उनकी जमीन ली जाती है तो उन्हें बदले में दूसरी जमीन दी जाए।

बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से मिलेगा सुरक्षा कवच, जशपुर में शुरू हुआ 'मिशन एचपीवी सुरक्षा कवच-2026'

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। "हर पात्र बेटी तक पहुँच, सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा का संकल्प" के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित "मिशन एचपीवी सुरक्षा कवच–जशपुर 2026" के अंतर्गत होटल निर्वाणा, जशपुर में जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एस. जात्रा की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में जिला स्वास्थ्य अधिकारी सह जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. वी.के. इन्दवार, सहायक जिला नोडल अधिकारी गोविन्द चौहान, टीकाकरण शाखा प्रभारी श्रीमती मनीषा कुजूर सहित जिले के आठों विकासखण्डों के बीएमओ, सेक्टर चिकित्सा अधिकारी एवं पीएसी प्रभारी उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एस. जात्रा ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर समस्या है, जिसकी रोकथाम में एचपीवी टीकाकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी पात्र बालिका टीकाकरण से वंचित न रहे। इसके लिए पात्र बालिकाओं का चिन्हांकन, घर-घर सर्वे, विद्यालयवार सूची, अभिभावक काउंसलिंग, माइक्रो प्लानिंग तथा नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों की बालिकाओं को प्राथमिकता दी जाए।



जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. वी.के. इंदवार ने एचपीवी टीकाकरण की प्रक्रिया, सुरक्षित वैक्सीन प्रबंधन, कोल्ड चेन, एईएफआई किट एवं आपातकालीन व्यवस्था पर प्रशिक्षण दिया। उन्होंने भ्रांतियों का वैज्ञानिक तथ्यों से समाधान करने पर जोर दिया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक राजीव रंजन मिश्रा ने अभियान के प्रशासनिक प्रबंधन, समन्वय एवं रिपोर्टिंग पर जानकारी दी। सहायक नोडल अधिकारी गोविन्द चौहान ने संशोधित रैपिड एक्शन प्लान, माइक्रो प्लानिंग, घर-घर हेड काउंट सर्वे एवं फॉलोअप की विस्तृत कार्य योजना प्रस्तुत की।

अभियान की प्रमुख गतिविधियां इस प्रकार हैं:- 12 नवम्बर : जिला स्तरीय प्रशिक्षण एवं समीक्षा बैठक, 13-14 नवम्बर : ब्लॉक स्तरीय बैठक एवं मितानिनों द्वारा घर-घर हेड काउंट सर्वे, 16-18 नवम्बर : विद्यालयवार जानकारी संकलन एवं माइक्रो प्लानिंग, 20-21 नवम्बर : सर्वे सत्यापन एवं अंतिम तैयारी, 23-28 नवम्बर : प्रथम चरण का एचपीवी टीकाकरण अभियान, 30 नवम्बर : जिला स्तरीय समीक्षा, 01-04 दिसम्बर : द्वितीय चरण हेतु संशोधित माइक्रोप्लान, 07-12 दिसम्बर : छूटी हुई बालिकाओं का फॉलोअप एवं विशेष सत्र एवं 14 दिसम्बर : द्वितीय चरण की अंतिम समीक्षा। बैठक में जन जागरूकता, अभिभावक काउंसलिंग तथा सभी विभागों के समन्वय से अभियान को सफल बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अंबिकापुर छ. ग. पिन नं. 497001 से मुद्रित व वार्ड क्र. 10 कुनकुरी जशपुर से प्रकाशित। संपादक - लक्ष्मण सिंह